शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 147 | गुवाहाटी | शनिवार, 23 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सांसदों के निलंबन के विरोध में विपक्ष ने किया प्रदर्शन पेज 2
परिवहन मंत्री ने असम पुलिस को सौंपे सड़क सुरक्षा उपकरण पेज 3
पुलिस संगठित अपराध और पेपरलीक के प्रकरणों में ठोस कार्रवाई करे : मुख्यमंत्री पेज 5
भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से विदाई लेगा... पेज 7

अब से राज्य में नहीं होगी मैट्रिक परीक्षा : शिक्षा मंत्री

गुवाहाटी। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने आज घोषणा की कि राज्य में पारंपरिक मैट्रिक परीक्षा अब आयोजित नहीं की जाएगी। रनोज पेगु ने साझा किया कि अब से, कक्षा 10 की परीक्षाएं कक्षा 8 और 9 के मूल्यांकन के समान मॉडल का पालन करेंगी। नई प्रणाली के तहत, कक्षा 5, कक्षा 8 और कक्षा 10 के छात्र अकादमिक उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए प्रतिष्ठित आनंदराम बरुआ पुरस्कार प्राप्त करने के पात्र होंगे। मैट्रिक परीक्षा को खत्म करने का निर्णय शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने के सरकार के व्यापक प्रयासों के हिस्से के रूप में लिया गया है। इससे पहले जून, 2023 को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की थी कि असम एचएसएलसी परीक्षा अगले साल से आयोजित नहीं की जाएगी। शैक्षणिक वर्ष 2024 से असम कक्षा 10 के छात्रों के लिए कोई बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। राज्य सरकार एक नया असम शैक्षिक बोर्ड स्थापित करेगी। राज्य शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के अनुसार यह निर्णय लिया है। अगले साल से असम कक्षा 10 के लिए बोर्ड परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। सीएम शर्मा ने कहा कि मैट्रिक परीक्षा केवल स्कूल स्तर पर आयोजित की जाएगी। यह नई शिक्षा नीति के तहत किया जा रहा है। जल्द ही नया बोर्ड भी आ जाएगा। लेकिन सेबा के लिए नियुक्त कर्मचारी अपनी नौकरी नहीं खोएंगे।

औपनिवेशिक विरासत के अवशेषों को मिटाने के लिए एकजुट होना होगा : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को लोगों से औपनिवेशिक विरासत के सभी अवशेषों को मिटाने और एक आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने असम के लोगों से कृषि से लेकर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) तक सभी क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक आंदोलन बनाने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने राज्य आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए जनता से यह अपील की है। स्वतंत्रता सेनानी कनकलता बरुआ की जन्मदिन के मौके पर शोणितपुर जिले के गोहपुर में एक बैठक को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि जैसे-जैसे भारत आजादी के 100 साल की ओर बढ़ रहा है, हम सभी को अपनी औपनिवेशिक विरासत के सभी अवशेषों को खत्म करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। हमें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गोहपुर पुलिस स्टेशन परिसर में तिरंगा फहराने के लिए एक समूह का नेतृत्व करते समय 17 साल के कनकलता की पुलिस ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में नई दिल्ली में मौजूदा -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस को धमकी देने वाले म्यांमार कैंप में बैठे हैं : डीजीपी

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने कहा है कि पुलिस को धमकी देने वाले आज भी म्यांमार कैंप में बैठे हुए हैं। इन धमकी देने वालों का परिवार बांग्लादेश में है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता को उनसे उत्तर लेना चाहिए। डीजीपी आज यहां मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वे किसी और के नहीं, बल्कि सरकार के निर्देश पर कार्य कर रहे हैं। और, सरकार का सीधा-सीधा निर्देश है कि असम में शांति स्थापित करना है। डीजीपी ने कहा कि अशांति फैलाकर विकास में बाधा पहुंचाने वालों के विरुद्ध असम पुलिस कार्रवाई करती रहेगी। आज असम पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम आवास योजना के तहत 1.3 लाख घर बनाएगी राज्य सरकार

गुवाहाटी। असम सरकार मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 1.3 लाख घर बनाएगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह योजना प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) से अलग है, जो उन लोगों को टारगेट करती है जिन्हें केंद्र सरकार की योजना से लाभ नहीं मिला है। असम कैबिनेट ने गुरुवार शाम मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की मौजूदगी में यह फैसला लिया। इसके अलावा, राज्य कैबिनेट ने निर्णय लिया कि 13 जिलों, शहरी और ग्रामीण, -शेष पृष्ठ दो पर

सीमा विवाद : नगा उपद्रवियों ने असम में की फायरिंग

तिताबर। असम नगालैंड सीमा पर तनाव कोई नई बात नहीं है, क्योंकि कई मौकों पर इन दोनों राज्यों के लोगों के साथ सीमा पर हिंसा की खबरें सामने आई हैं। हालांकि, दशकों पुराने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए असम और नगालैंड के मुख्यमंत्रियों द्वारा हाल ही में किए गए प्रयासों ने लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे के सौहार्दपूर्ण समाधान पर आने का सकारात्मक संकेत दिया है। लेकिन राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर तमाम घटनाक्रमों के बीच अप्रिय घटनाओं की खबरें अक्सर सुर्खियां बटोरती रही हैं। ऐसी ही एक घटना शुक्रवार को सामने आई है। विवरण के अनुसार, गुरुवार दोपहर नगा उपद्रवियों का एक समूह हथियारों के साथ असम के भूमि क्षेत्र में घुस गया और निर्दोष असमिया ग्रामीणों को आतंकित किया। नगा समूह जोरहाट जिले के तिताबर के पास बेकाजन के 62 घोरिया गांव में घुस गया। न केवल नगा उपद्रवियों ने ग्रामीणों को धमकी दी बल्कि डराने के लिए उन्होंने एक पालतू कुत्ते को मार डाला। बताया जा रहा है -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

वन विभाग के कर्मचारी के साथ एसपी के दुर्व्यवहार पर मुख्यमंत्री ने आपत्ति जताई

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को वन विभाग के एक कर्मचारी के साथ गोलाघाट के पुलिस अधीक्षक के कथित दुर्व्यवहार पर आपत्ति जताई। क्योंकि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में हाथी सफारी के लिए पुलिस अधीक्षक के परिवार के सदस्यों के लिए टिकट उपलब्ध नहीं थे। वन विभाग के कर्मचारी, जिसकी पहचान तरुण गोगोई के रूप में हुई है, को गोलाघाट पुलिस ने कुछ समय के लिए हिरासत में लिया था। मुख्यमंत्री ने घटना के संबंध में पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह से बात की। सिंह ने भी गोगोई से बात की और खेद जताया। बाद में एसपी ने गोगोई से माफी मांगी। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि हम अहंकार का समर्थन नहीं करते हैं, और लोक सेवकों के लिए अपने विचारों और कार्यों में विनम्र रहना महत्वपूर्ण है। उधर एक पोस्ट में, डीजीपी ने कहा कि मुझे बताया गया है कि पिछली शाम तरूण गोगोई को -शेष पृष्ठ दो पर

गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों

नई दिल्ली। हर साल गणतंत्र दिवस के मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर किसी न किसी नेता को आमंत्रित किया जाता है। इस साल फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। इससे पहले फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने 14 जुलाई को पेरिस में आयोजित बेस्टाइल डे परेड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेस्टाइल डे परेड में सम्मानित अतिथि बनने वाले भारत के दूसरे प्रधानमंत्री बने। इससे पहले 2009 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह परेड में अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। इस साल फ्रांसीसी राष्ट्रपति को आमंत्रित कर के भारत ने फ्रांस के साथ अपने मैत्रीपूर्ण संबंध को दर्शा रहा है। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर सेना के तीनों अंगों की 241 सदस्यीय भारतीय सशस्त्र बलों की टुकड़ी ने भी परेड में हिस्सा लिया था। भारतीय सेना की टुकड़ी का नेतृत्व पंजाब रेजिमेंट ने राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट के साथ किया था। इसके साथ ही, भारतीय वायु सेना के राफेल जेट परेड के दौरान फ्लाई पास्ट में शामिल हुए थे। फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने भी इस साल सितंबर में भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया था। राष्ट्रपति मैक्रों और प्रधानमंत्री मोदी ने 10 सितंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन के मौके पर दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक भी की। बैठक के बाद, पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने भारत-फ्रांस संबंधों को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सीमा विवाद : असम-मेघालय पैनल 31 तक सौंपेंगे रिपोर्ट

शिलांग। मेघालय सरकार के एक अधिकारी ने आज कहा कि असम और मेघालय के बीच सीमा विवाद पर क्षेत्रीय समितियों को 31 दिसंबर तक अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है। असम और मेघालय की 884.9 किमी सीमा पर 12 विवादित सेक्टर थे। इनमें से छह क्षेत्रों में विवादों का निपटारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 29 मार्च, 2022 को हस्ताक्षरित एक समझौते के माध्यम से किया गया। जो छह विवादित क्षेत्र बने हुए हैं वे हैं लंगपिह, बोर्डुआर, नोंगवाह-मावतामुर, देशडूमरेह, -शेष पृष्ठ दो पर

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान 1100 मंदिरों में मनेगा भव्य जश्न

प्रयागराज। अयोध्या में रामजन्मभूमि पर बने भव्य मंदिर में 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव सात समुद्र पार अमेरिका के मंदिरों में भी मनाया जाएगा और एक सप्ताह तक उत्सव मनाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां की जा रही हैं। मंदिरों का प्रतिनिधित्व करने वाली एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। हिंदू मंदिर इम्पाउअर्मन्ट काउंसिल (एचएमईसी) की तेजल शाह ने सोमवार को कहा कि यह हमारा सौभाग्य और आशीर्वाद है कि हम इस घटना का हिस्सा हैं और हमारे सपनों का मंदिर सदियों के इंतजार और संघर्ष के बाद साकार हो रहा है। अमेरिका और कनाडा में सभी भावुक हैं। सभी के मन में श्रद्धा का भाव है और वे भगवान श्री राम के उनके मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का इंतजार कर रहे हैं। एचएमईसी अमेरिका में 1,100 हिंदू मंदिरों का शीर्ष निकाय है। तेजल शाह ने कहा कि उत्तरी अमेरिका के छोटे- बड़े मंदिरों में सप्ताह भर चलने वाला उत्सव 15 जनवरी को शुरू होगा और अयोध्या से राम मंदिर उद्घाटन के -शेष पृष्ठ दो पर

चेक के चार्ल्स विवि में भीषण गोलीबारी, 15 लोगों की मौत

प्राग (हि.स.)। यूरोपीय देश चेक गणराज्य की राजधानी प्राग के चार्ल्स विश्वविद्यालय में गुरुवार को हमलावरों की भीषण गोलीबारी में 15 लोग मारे गए और कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। चेक पुलिस ने बताया कि चार्ल्स विश्वविद्यालय में बंदूकधारी ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसके बाद अफरा-तफरी मच गई। हमलावर को पुलिस ने मार गिराया है, जिसकी पहचान एक छात्र के रूप में की गई। चेक रिपब्लिक के गृह मंत्री विट राकुसन ने चेक गणराज्य टेलीविजन को बताया कि गोलीबारी करने वाले हमलावर को घटनास्थल पर मार गिराया गया है और वहां कोई अन्य शूटर नहीं बचा है। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
जो जिस कार्य में कुशल हो उसे उसी कार्य में लगना चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

संतों के सानिध्य से ही होता है ज्ञान का बोध : भागवत

भागलपुर (हि.स)। मनुष्यवत जीवन कैसे जीयें इसके लिए संत प्रमाण हैं। हमारे बीच ग्रंथ बहुत हैं। उसे पढ़ने से ज्ञान मिलता ही है, परंतु ज्ञान का ठीक-ठाक बोध संतों के सानिध्य से ही होता है। सारी दुनिया को टिकाए रखने वाला और उन्नत करने वाला धर्म चलता है। इसे हम सनातन धर्म कहते हैं। ये बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने भागलपुर के कुप्पाघाट आश्रम में शुक्रवार को कही। डा. भागवत कुप्पाघाट आश्रम पहुंचने के बाद सबसे पहले गुरु निवास गए और पुष्पांजलि कार्यक्रम में -शेष पृष्ठ दो पर

गीता में हैं विश्व की सभी समस्याओं का समाधान : अमित शाह

चंडीगढ़ (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि गीता एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें विश्व की सभी समस्याओं का समाधान है। गीता का अनुसरण करके कई बड़ी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री शाह शुक्रवार को कुरूक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में आयोजित संत सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि कुरूक्षेत्र की पावन धरती पर पांच हजार साल पहले भगवान कृष्ण ने धर्म की स्थापना के लिए गीता का उपदेश देकर समूची मानवता को नई राह दिखाई थी। अगर हम गीता का ज्ञान फैलाने में सफल रहें तो कभी युद्ध नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में यहां आकर गीता का प्रचार विश्व स्तर पर करने का संदेश दिया था। जिसका अनुसरण करते हुए हरियाणा की मनोहर सरकार और स्वामी ज्ञानानंदजी महाराज आज कई देशों में गीता जयंती का भव्य आयोजन करवा चुके हैं और यह आयोजन अब अंतर्राष्ट्रीय रूप ले चुका है। गृहमंत्री ने कहा कि भाजपा की मान्यताएं संस्कृति को बढ़ावा देती हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

कोरोना की दस्तक से पूरे देश में है डर का माहौल

नई दिल्ली। केरल से एक बार फिर से कोरोना ने देश में दस्तक दे दी है। कोरोना के नए वेरिएंट तेजी से फैल रहा है। पूरे देश में कोरोना के अब तक करीब 21 मामले सामने आ चुके है। जिसके बाद लोगों में एक बार फिर डर का माहौल है। हल्की खांसी या जुकाम, बुखार में लोग कोरोना की जांच के लिए अस्पताल जा रहे हैं। डॉक्टर के पास आकर कोविड जांच की मांग कर रहे हैं। ऐसे में डॉक्टर मरीजों को अनावश्यक जांच न करवाने और अनावश्यक दवाएं न लेने की सलाह दे रहे है इतना ही नहीं दून अस्पताल की इमरजेंसी मेडिसिन के असिस्टेंट प्रोफेसर का कहना है कि बिना डॉक्टर की सलाह के दवाएं और काढ़ा न लें। दरअसल, ऐसे में कुछ लोगों में दवाओं के ओवरडोज से समस्या हो गई थी। यह समस्या अबतक बनी हुई है। उनका कहना है कि डॉक्टर की सलाह के बिना दवाएं न लें। कोविड का नया वेरिएंट जेएन.1 ओमिक्रॉन का ही एक म्यूटेशन है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सांसदों के निलंबन के विरोध में विपक्ष ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (हि.स.)। विपक्षी सांसदों के निलंबन के विरोध में आईएनडीआईए घटक दलों के नेताओं ने शुक्रवार को यहां जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी और राजद सांसद मनोज झा सहित अन्य विपक्षी दलों के नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश के लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने का बीड़ा उठाया है। ये लोग दलितों, मजदूरों, महिलाओं और किसानों को कुचलने का काम कर रहे हैं। इसलिए हमने देश को बचाने के लिए आईएनडीआईए गठबंधन बनाया है। खड़गे ने आगे कहा कि उच्च

संवैधानिक पद पर बैठे लोग कहते हैं कि मैं इस जाति का आदमी हूं, इसलिए मुझे अपमानित कर रहे हैं। हमें सदन में नोटिस तक नहीं पढ़ने दिया जाता, तो क्या मैं ये कहूं कि मोदी सरकार दलित को बोलने भी नहीं देती ! एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए विपक्ष एकजुट है। इसके लिए हम कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि सांसदों का निलंबन अलोकतांत्रिक है। विपक्ष को बोलने से रोका जा रहा है। राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि लोकतंत्र की हत्या हो गई है। अब विपक्ष को मिलकर लोकतंत्र को पुनर्जीवित करना है। सीपीआई (एम) नेता सीताराम येचुरी ने कहा कि हमें उन लोगों से लोकतंत्र को बचाने की जरूरत है, जो वर्तमान में सत्ता में हैं। संसद में सुरक्षा चूक मुद्दे पर सरकार को जवाब देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि संसद में हुई सुरक्षा चूक को लेकर दोनों सदन में प्रदर्शन कर रहे विपक्ष के 146 सांसदों को निलंबित कर दिया गया था। उसके विरोध में आईएनडीआईए घटक दलों ने आज देशव्यापी प्रदर्शन किया।

लोस चुनाव 2024 की रणनीति को लेकर भाजपा का मंथन

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा चुनाव 2024 की रणनीति तैयार करने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में मंथन तेज हो चला है। इसी सिलसिले में भाजपा मुख्यालय में शुक्रवार को उच्च स्तरीय बैठक हो रही है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, महासचिव, सभी राज्यों के प्रदेशाध्यक्ष, महामंत्री और प्रभारी के साथ सभी मोर्चा के पदाधिकारी भी मौजूद हैं। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित भी करेंगे। दो दिन चलने वाली इस बैठक के समापन में शनिवार को अध्यक्ष जेपी नड्डा पार्टी नेताओं को संबोधित करेंगे। सूत्रों के अनुसार पार्टी का फोकस मोदी सरकार की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाना है, जिससे आगामी चुनाव में पार्टी को ऐतिहासिक जीत मिले। इसके साथ बैठक में पार्टी के अलग-अलग मोर्चा और राज्य इकाइयों को लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए निर्देश दिए जाएंगे। बाल वीर दिवस और अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती (25 दिसंबर) की तैयारी पर भी चर्चा संभव है।

गुजरात के स्कूलों में बच्चों को पढ़ाई जाएगी भगवत् गीता, सिलेबस जारी

अहमदाबाद। गुजरात के सरकारी स्कूलों में बच्चों को भगवत् गीता पढ़ाई जाएगी। कक्षा 6वीं से 8वीं के स्कूली बच्चों को भगवत् गीता का सार पढ़ाने का निर्णय लिया है। गुजरात के शिक्षा मंत्री कुबेर डिंडोर ने इसका पाठ्यक्रम भी जारी कर दिया है। शुरूआत में सरकारी स्कूलों में भगवत् गीता का सिलेबस लागू होगा, बाद में प्राइवेट स्कूलों में भी लागू किया जाएगा। अगले साल से कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए भी इसे अमल लाया जाएगा। शिक्षा मंत्री कुबेर डिंडोर ने कहा कि बच्चे स्कूली जीवन से ही भगवत् गीता का पाठ पढ़ेंगे, जिससे इन्हें जीवन जीने का नया तरीका सीखने का मौका मिलेगा। भगवत् गीता सिर्फ एक धर्म का नहीं पर सभी धर्मों का सार है। यह जीवन जीने की एक कला है और 700 श्लोकों का सार बच्चे पढ़ेंगे। निराशा मे आशा का संचार करने वाली सोच बच्चों को लाभ देंगी। बता दें कि, गुजरात सरकार ने पिछले साल घोषणा की थी कि नए सत्र से छात्रों को भगवत् गीता पढ़ाई जाएगा, लेकिन पाठ्यक्रम तय करने में देरी होने के चलते अब दूसरे सत्र से स्कूल में लागू किया जा रहा है।

काठमांडू के स्कूलों में क्रिसमस के आयोजन पर शिकंजा

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल की राजधानी काठमांडू में महानगरपालिका ने क्रिसमस पर स्कूलों में होने वाले आयोजनों पर शिकंजा कसा है। महानगरपालिका ने चेतावनी जारी की है। इसके तहत स्कूल विद्यार्थियों को सांता क्लॉज का ड्रेस पहन कर आने को बाध्य नहीं कर सकते। न ही अभिभावकों इस तरह की ड्रेस खरीदने को मजबूर कर सकते हैं। स्कूलों की ऐसी गतिविधि पर काठमांडू महानगरपालिका ने रोक लगा दी है। महानगरपालिका ने चेतावनी दी है कि क्रिसमस पर कोई भी विद्यालय अगर

बच्चों को कोई विशेष पोषाक पहनने के लिए कहता है या अभिभावकों को इस तरह की ड्रेस खरीदने के लिए कहा जाता है तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। महानगरपालिका ने साफ किया है कि क्रिसमस के नाम पर बच्चों को नकली सफेद दाढ़ी और लाल टोपी या लाल रंग के वस्त्र पहना कर किसी भी तरह का कोई आयोजन विद्यालय परिसर में न किया जाए। विद्यालय में निर्धारित पोशाक के अलावा अन्य किसी भी प्रकार की पोशाक पहनने के लिए छात्रों को निर्देशित करना दण्डनीय अपराध होगा। इस संबंध में महानगर के शिक्षा विभाग के प्रमुख सीताराम कोईराला के नेतृत्व में एक टीम भी बनाई गई है। यह टीम सभी विद्यालयों का औचक निरीक्षण करेगी।

नकली सोने के साथ एक ठग गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। जिले की जामुगुरीहाट में पुलिस ने नकली सोने के साथ एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान रफीकुल इस्लाम के रूप में हुई है। पुलिस ने आज बताया कि गिरफ्तार शख्स का घर लखीमपुर जिले के नाओबेचा में है। बालीपाड़ा में नकली सोने की नाव बेचकर वापस लौटते समय जामुगुरीहाट के चाकीघाट पुल के पास एक विशेष सूत्र का पीछा कर जामुगुड़ी पुलिस ने नकली सोने के व्यापारी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। पुलिस गिरफ्तार व्यक्ति के पास से यीशु की नकली सोने की मूर्ति का एक टुकड़ा बरामद करने में कामयाब रही। पुलिस ने व्यापारी द्वारा चलाई जा रही मारुति एल्टो कार (एएस-07-टी-4494) को भी जब्त कर लिया। जामुगुड़ी पुलिस ने रफीकुल इस्लाम के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सलाह के लिए आईआईटी में चेयर प्रोफेसरों की नियुक्ति करेगा सड़क परिवहन मंत्रालय : गडकरी

नई दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय हाईवे निर्माण समेत तमाम विषयों पर मौजूदा व्यावहारिक चुनौतियों से निपटने के लिए आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने जा रहा है। इसी सिलसिले में उसने आईआईटी रुड़की, आइआईआईटी बीएचयू, आईआईटी मद्रास और जवाहर लाल नेहरू

तकनीकी विश्वविद्यालय अनंतपुर के साथ चेयर प्रोफेसरों की नियुक्ति के संदर्भ में सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इन संस्थानों में मंत्रालय से संबंधित चेयर प्रोफेसरों की नियुक्ति होने से ट्रैफिक और हाईवे इंजीनियरिंग जैसे मसलों पर विशेषज्ञ तकनीकी सलाह मिल सकेगी। मंत्रालय के अनुसार ये चेयर प्रोफेसर उसके लिए रणनीतिक सलाहकार के रूप में कार्य करेंगे। खासकर तमाम ऐसे नए क्षेत्रों में जो सड़क परिवहन और राजमार्ग से सीधे संबंध रखते हैं। उनसे यह भी कहा गया है कि शोध योजनाओं के लिए अपना तकनीकी मार्गदर्शन दें ताकि इन योजनाओं को आज की जरूरत के अनुरूप बनाया जा सके। मंत्रालय राजमार्गों के निर्माण के लिए महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना पर कार्य कर रहा है। इसमें आधुनिक तकनीक और वृहद प्लानिंग की जरूरत है। तमाम ऐसी व्यावहारिक चुनौतियां हैं, खासकर लागत, सुरक्षा और डिजाइनिंग के लिहाज से जिनका मौजूदा तकनीकी ढांचे में समाधान कठिन है। इसी के साथ मंत्रालय ने एनएच परियोजनाओं के संदर्भ में अपने क्षेत्रीय कार्यालयों से समस्याओं के बारे में सीधे जानना चाहा है, जिससे कि उन्हें समाधान के लिए चेयर प्रोफेसरों के पास भेजा जा सके। गौरतलब है कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी लागत घटाने और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए नई तकनीकों के अधिक से अधिक इस्तेमाल की वकालत करते रहे हैं, लेकिन साथ में उन्होंने इस पर निराशा भी जताई है कि नई तकनीक अपनाने के लिहाज से परंपरागत हिचक के सिलसिले को खत्म नहीं किया जा पा रहा है।

अलग-अलग सड़क हादसों में एक की मौत, चार घायल

उदालगुड़ी (हिंस)। उदालगुड़ी जिले के पानेरी, हाथीगढ़ और भैरबकुंड क्षेत्रों में हुई अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार एक मारुति ब्रेजा वाहन ने नियंत्रण खोकर पानेरी के क्रिश्चियनपारा में एक पुल से उस समय टकरा गया, जब वह टंगला से उदालगुड़ी की ओर जा रहा था। इसमें गाड़ी चालक सीमांत डेका (40) गंभीर रूप से घायल हो गया और सवार सिराज (40) को मामूली चोटें आईं। घायलों में से दो को 108 सेवा के माध्यम से उदालगुड़ी सिविल अस्पताल ले जाया गया। एक अन्य दुर्घटना उस समय हुई जब वाहन चालक अमल चुंडी (36) हाथीगढ़ की ओर जा रहा था। तभी विपरीत दिशा से आ रही बकरी को बचाने के प्रयास में वह अचानक नियंत्रण खो बैठा और घायल हो गया। उसे 108 सेवाओं के माध्यम से उदालगुड़ी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनके अलावा एक अन्य दुर्घटना भैरवकुंड वनभोज स्थल के पास एसएसबी कैंप के पास हुई, जिसमें एक स्कूटी अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई और रूपा दैमारी (18) गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल रूपा दैमारी को 108 सेवा की मदद से उदालगुड़ी सिविल अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, बाद में उन्हें बेहतर इलाज के लिए 108 सेवाओं के साथ गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया गया। आज की दुर्घटनाओं में 108 कर्मचारियों की त्वरित सेवा को जनता ने खूब सराहा।

मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने सिलीखाबाड़ी ग्रांट एलपी का किया उद्घाटन

जोरहाट (हिंस)। असम सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण आदि मामलों के मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने आज तीताबार मंडल की पोलिंग बूथ बैठकों के बीच सिलीखाबाड़ी ग्रांट एलपी का उद्घाटन किया। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि एक ही प्रांगण में स्कूल और शिलीखबारी आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचा और दोनों शैक्षणिक संस्थानों की कक्षा सुविधाओं का निरीक्षण किया और छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की। इसके अलावा, उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि स्कूल परिसर में स्थापित *स्टैंड अलोन* जल आपूर्ति योजना पूरी तरह से कार्यात्मक है। इस दौरान मंत्री ने स्कूल के शिक्षकों-बच्चों आदि के साथ बातचीत की। मंत्री ने स्कूल का निरीक्षण करने के बाद आसपास के इलाके के लोगों से बात करके उनकी समस्याएं सुनी।

पृष्ठ एक का शेष

औपनिवेशिक विरासत के...

शासन औपनिवेशिक विरासत को खत्म करने के लिए काम कर रहा है। सीएम शर्मा ने औपनिवेशिक युग के आपराधिक न्याय कानूनों को नए अधिनियमों से बदलने, नए संसद भवन में स्थानांतरित करने और सड़कों का नाम बदलने का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि मोदी और शाह ने दिखाया है कि देश औपनिवेशिक विरासत से कैसे बाहर आ रहा है। सीएम ने कहा कि औपनिवेशिक शासन के सभी अवशेषों को मिटाना होगा और उसकी जगह आत्मनिर्भर भारत बनाना होगा। कनकलता और अन्य जैसे स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, शर्मा ने कहा कि उन्होंने जिस राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए प्रयास किया था, वह हासिल कर ली गई है, लेकिन आर्थिक स्वतंत्रता अभी भी साकार नहीं हुई है। सीएम शर्मा ने महात्मा गांधी द्वारा राजनीतिक और आर्थिक स्वतंत्रता दोनों के महत्व को रेखांकित किया और राज्य के लोगों से इसके लिए काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि असम को चावल, दाल, आलू, प्याज बाहर से मंगाना पड़ता है। जब राज्य के बाहर के कुछ व्यापारियों द्वारा आलू और प्याज की कीमतें बढ़ा दी जाती हैं, तो हम यहां आंदोलन करते हैं, लेकिन हम इन्हें अपनी जमीन पर नहीं उगाते हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे विरोध और आक्रोश का आंदोलन न बनाएं, बल्कि कृषि से लेकर आईटी तक सभी क्षेत्रों में स्वयं के उत्पादन और क्षमताओं को बढ़ावा देने का आंदोलन बनाएं।

पुलिस को धमकी ...

मुख्यालय में राज्य के परिवहन मंत्री परिमल शुक्लवैद्य के साथ हुई बैठक के बारे में उन्होंने बताया कि इस बैठक में सड़क सुरक्षा से संबंधित कई पहलुओं पर चर्चा की गई। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि राज्य के सभी जिलों में परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग आदि के अधिकारियों के साथ पुलिस अधिकारियों की बैठकें हुई है। त्योहार के सीजन में अभी से लेकर माघ बिहू तक यदि दुर्घटना को रोकने में कामयाबी मिली तो धीरे-धीरे राज्य में सड़क दुर्घटनाओं का ग्राफ नीचे आ जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दिशा में असम पुलिस कई प्रकार से कार्य कर रही है।

सीएम आवास योजना ...

दोनों में भूमिहीन कम से कम 1,540 स्वदेशी परिवारों को भूमि निपटान लाभ प्राप्त होंगे। राज्य सरकार की पहल मिशन बसुंधरा 2.0 के तहत, भूमि रहित स्वदेशी परिवारों के लिए भूमि बंदोबस्ती की जाएगी।

सीमा विवाद : नगा...

कि नगा हमलावरों ने मंट्स कोंवर नाम के शख्स के पालतू कुत्ते पर सात राउंड गोलियां चलाई। घटना के बाद से सीमा पर तनाव व्याप्त है, गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में तिताबर के पास असम-नगालैंड सीमा पर कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। लेकिन जैसा कि स्थानीय असमिया ग्रामीणों ने दावा किया है, अचानक, नगा उपद्रवियों का एक वर्ग सीमा पर असमिया और नगा लोगों के बीच फिर से संघर्ष पैदा करके शांति भंग करने की कोशिश कर रहा है। स्थानीय लोगों ने राज्य सरकार से इस मामले में कदम उठाने और मामले को नगालैंड सरकार के ध्यान में लाने की मांग की है।

वन विभाग के ...

गोलाघाट पुलिस द्वारा अनुचित हिरासत लिया गया है। जानकारी होने के बाद मैंने गोगोई से बात की है और अपना खेद व्यक्त किया है। उधर जीपी सिंह ने कहा कि गोलाघाट के एसपी राजेन सिंह को भी उचित सलाह दी गई है। हमारा उद्देश्य साथी नागरिकों के साथ विनम्र व्यवहार है। मैंने असम के माननीय मुख्यमंत्री को उनकी और सरकार को हुई पीड़ा के लिए हार्दिक क्षमायाचना भी व्यक्त की है। डीजीपी ने आगे कहा कि पुलिसिया कार्यप्रणाली को और बेहतर करने की प्रतिबद्धता के साथ असम के लोगों से माफी मांगता हूं। मालूम हो कि गोलाघाट एसपी ने कथित तौर पर गोगोई के साथ दुर्व्यवहार किया था क्योंकि शुक्रवार सुबह हाथी सफारी के लिए कोई टिकट उपलब्ध नहीं था। गोगोई ने दावा किया कि उन्हें कोहोरा चौकी पर बुलाया गया था और राजेन सिंह ने उन्हें फोन पर धमकी दी थी कि उन्हें हिरासत में लिया जाएगा और अगले दिन अदालत में पेश किया जाएगा। हालांकि, बाद में वरिष्ठ वन अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद उन्हें पुलिस स्टेशन से रिहा कर दिया गया। मामले में मुख्यमंत्री और डीजीपी के हस्तक्षेप के बाद सिंह ने गोगोई से माफी मांगी।

गणतंत्र दिवस समारोह ...

दोनों नेताओं ने भारत में उत्पादन के डिजाइन और विस्तार में साझेदारी के माध्यम से रक्षा सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और रक्षा औद्योगिक रोडमैप को शीघ्र अंतिम रूप देने का आह्वान किया। यह छठी बार है, जब किसी फ्रांसीसी नेता को बतौर अतिथि आमंत्रित किया गया है। मैक्रों से पहले, पूर्व फ्रांसीसी प्रधानमंत्री जैक्स शिराक 1976 और 1998 में भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे और पूर्व राष्ट्रपति वालेरी गिस्कार्ड डी-एस्टिंग, निकोलस सरकोजी और फ्रैंकोइस ओलांद क्रमशः 1980, 2008 और 2016 में मुख्य अतिथि थे। इससे पहले उम्मीद जताई जा रही थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को गणतंत्र दिवस के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया जाएगा। दरअसल, सितंबर में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा था कि इस साल गणतंत्र दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति को आमंत्रित करेंगे। हालांकि, इसको लेकर अब तक कोई अपडेट सामने नहीं आया है।

सीमा विवाद : असम-मेघालय ...

ब्लॉक-1, ब्लॉक-2 और सियार-खंडुली। विवादित क्षेत्रों का अध्ययन करने, हितधारकों से मिलने और अपनी-अपनी सरकारों को एक रिपोर्ट सौंपने के लिए दोनों राज्यों द्वारा कई जिलों के लिए तीन क्षेत्रीय समितियां स्थापित की गईं। मेघालय की ओर से जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि असम-मेघालय सीमा पर 30 सितंबर को हुई मुख्यमंत्री स्तर की बैठक के निर्णय के अनुसार, सरकार ने तीन क्षेत्रीय समितियों द्वारा रिपोर्ट जमा करने का समय 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया है। मुख्य सचिव डीपी वाहलांग ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था। दो उप मुख्यमंत्री - प्रेस्टोन तिनसोंग और स्नियावभालंग धर - क्रमशः री-भोई और पश्चिम जैंतिया हिल्स जिलों के लिए क्षेत्रीय समितियों का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि मंत्री पॉल लिंगदोह पश्चिम खासी हिल्स जिले के क्षेत्रीय पैनल के अध्यक्ष हैं। 1972 में मेघालय के असम से अलग होने के बाद से दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद कायम है। इन विवादों में कम से कम एक दर्जन लोग मारे गए हैं। 15 जुलाई, 2022 को तत्कालीन मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके अरुणाचल प्रदेश समकक्ष पेमा खांडू के बीच नामसाई घोषणा पर हस्ताक्षर के साथ असम और अरुणाचल प्रदेश ने 123 गांवों में से 37 पर अपने सीमा विवादों को भी सुलझा लिया। असम का मिजोरम और नगालैंड के साथ भी सीमा विवाद चल रहा है।

राम मंदिर प्राण...

सीधे प्रसारण के साथ संपन्न होगा। अयोध्या में राम जन्मभूमि पर बन रहे भव्य मंदिर में रामलला (भगवान राम के बाल स्वरूप) की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। एचएमईसी की अध्यक्ष शाह ने कहा कि अब तक जो प्रतिक्रिया मिली है उससे उम्मीद की जा रही है कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह को हजारों लोग देखेंगे। तेजल ने कहा कि कार्यक्रम के अंत में हम सभी संकल्प लेंगे। हमारे लिए अमेरिका के पूर्वी तट समयानुसार 21 जनवरी रात 11 बजे का समय होगा। इसलिए हम उस रात भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में ऑनलाइन माध्यम से शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि अब तक उत्तरी अमेरिका में दर्जनों मंदिरों ने 15 जनवरी को पुजारियों द्वारा कीर्तन शुरू कराने की सहमति दी है। उन्होंने कहा, आधे से अधिक मंदिरों ने 21-22 जनवरी को होने वाले मुख्य कार्यक्रमों के लिए सहमति दी है। शाह ने कहा कि हर हफ्ते 100 से अधिक मंदिर आयोजनों के लिए पंजीकरण करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 15 जनवरी का कार्यक्रम पुजारियों द्वारा राम नाम संकीर्तन के जाप के साथ शुरू होगा। राम नाम संकीर्तन, वाल्मिकी रामायण में प्रयुक्त भगवान राम के 108 नामों का जाप है। उन्होंने कहा कि इसके बाद अटलांटा के प्रसिद्ध कलाकार विनोद कृष्णन द्वारा भजन पाठ किया जाएगा। वह भगवान राम के कुछ लोकप्रिय नए भजन गाएंगे। शाह ने बताया कि 21 जनवरी को मंदिरों में रोशनी की जाएगी। मंदिरों में अयोध्या में संपन्न होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण करने और प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य क्षण में शंखनाद करने की योजना है जिसके बाद प्रसाद का वितरण किया जाएगा। शाह ने कहा कि आयोजन में भाग लेने वाले प्रत्येक मंदिर को श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से भागीदारी का प्रमाण पत्र और *प्रसाद* प्राप्त होगा।

चेक के चार्ल्स ...

कहा कि अब लोगों को आगे कोई खतरा नहीं है, लेकिन उन्होंने लोगों से पुलिस के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। चेक पुलिस ने आगे कहा कि जन पलाच स्क्वायर के पास हुई गोलीबारी के बाद पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया था। प्राग के मेयर बोहुस्लाव स्वोबोडा ने जानकारी देते हुए कहा कि चौराहे पर मौजूद चार्ल्स विश्वविद्यालय के फिलॉसफी फैकल्टी को खाली करा लिया गया है और चौराहे को सील कर दिया गया। चेक पुलिस ने कहा कि पूरे इलाके को घेर लिया गया है। पोस्ट में आसपास के लोगों से अपील की गई कि वह घर से बाहर न निकलें। पलाच स्क्वायर के एक कॉन्सर्ट हाल में रुडोल्फिनम गैलरी के निदेशक पेट्र नेडोमा ने चेक टीवी को बताया कि उन्होंने शूटर को देखा था। जिसके हाथ में स्वचालित हथियार था। वह गोलीबारी कर रहा था। घटना के दौरान इमारत के आसपास कई एंबुलेंस और पुलिस की गाड़ियां नजर आ रही थीं। एक छात्रा क्लारा ने बताया कि वह भी उनमें से एक थी, जिन्हें पुलिस ने इमारत से बाहर निकाला। यह बहुत डरावना था, वहां बहुत सारे पुलिसकर्मी थे। वह हमें बाहर भागने के लिए कह रहे थे। वहीं, कर्मचारियों और छात्रों को भेजे एक ईमेल में कहा गया कि हमलावर इमारतों में से एक में है। इसलिए आप कहीं मत जाएं। यदि आप कार्यालयों में हैं, तो उन्हें बंद कर दें। दरवाजे के सामने फर्नीचर रखें लाइटें बंद कर दें।

गीता में हैं विश्व...

पिछले नौ वर्षों के दौरान केंद्र व हरियाणा की सरकारों ने गीता के उपदेश का अनुसरण करते हुए न केवल शासन को संचालित किया है बल्कि आमजन में भी आपसी भाईचारे को मजबूत किया है। केंद्र सरकार ने धारा 370 को समाप्त कर कश्मीर को हमेशा के लिए भारत का हिस्सा बनाया है। हरियाणा सरकार ने भी केंद्र की योजनाओं को सबसे पहले लागू कर समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का काम किया है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री अमित शाह का कुरूक्षेत्र पहुंचने पर स्वागत हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्वागत किया। मनोहर लाल ने कहा कि कई हजार साल पहले दिया गया गीता का संदेश आज भी शाश्वत है। वर्ष 2016 में शुरू हुआ यह आयोजन अब अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप ले चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आज़ादी के बाद देश में कुछ चुनौतियां थीं। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश की रियासतों को मिलाकर विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राम मंदिर निर्माण, धारा 370 जैसे मुद्दे रहते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गृहमंत्री अमित शाह ने उनका आसानी से समाधान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों के दौरान केंद्र की सरकार ने जिस भावना के साथ काम किया है, उससे प्रधानमंत्री मोदी तथा गृहमंत्री शाह को अगर आधुनिक भारत का लौह पुरूष कहना गलत नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जिस तहत के फैसले केंद्र सरकार ने लिए हैं, उनसे देश न केवल मजबूत हुआ है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी भारत का गौरव भी बढ़ा है। इस अवसर पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, योग गुरू आचार्य रामदेव के अलावा कई संत महात्मा मौजूद थे।

कोरोना की दस्तक ...

वहीं बता दें कि देश में पिछले 24 घंटों के दौरान 328 नए कोविड मामले सामने आए और 1 की मौत हो गई. इस समय सक्रिय मामलों की कुल संख्या बढ़कर 2997 हो गई। नए जेएन.1 वैरिएंट के कुल मामले 21 मालमे हैं। यह जानकारी शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी है।

संतों के सानिध्य...

शामिल हुए। इसके बाद वे संतमत के वर्तमान आचार्य महर्षि हरिनंदन परमहंस जी महाराज से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना। इसके बाद कार्यालय परिसर के नीचे बने ध्यान कक्ष में संतों के साथ वार्ता की। उन्होंने सत्संग प्रशाल में महर्षि मेंहीं पर बनी डाक्यूमेंट्री फिल्म *महर्षि मेंहीं : एक व्यक्तित्व एक विचार* का टीजर रिलीज किया। संघ प्रमुख ने डाक्यूमेंट्री फिल्म निर्माताओं का अभिवादन करते हुए कहा कि फिल्मों से अनेक बातें समाज में पहुंचती हैं। उसमें खराब और अच्छी बातें भी शामिल हैं। संघ प्रमुख ने फिल्म के कहानीकार और निर्माता की काफी सराहना भी की। संघ प्रमुख ने सभी को इस तरह के फिल्म का अनुकरण करने की सलाह दी। डा. भागवत गुरुवार शाम भागलपुर पहुंचे थे।

परिवहन मंत्री ने असम पुलिस को सौंपे सड़क सुरक्षा उपकरण

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के परिवहन आदि मामलों के मंत्री परिमल शुक्लवैद्य ने असम पुलिस को सड़क सुरक्षा उपकरण सौंपा। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग सड़क सुरक्षा उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। राज्य में सड़क सुरक्षा को दुरुस्त करने के लिए मंत्री ने आज 10 अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस गाड़ियां ट्रैफिक पुलिस को सौंपे। असम पुलिस को दिए गए इन इंटरसेप्टर वाहनों में स्पीड डिटेक्टर मीटर के साथ-साथ कई अन्य ऐसे उपकरण लगे हुए हैं जो ट्रैफिक पुलिस के लिए अत्यंत उपयोगी है। इस वाहन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह ठंड के मौसम में कम दृश्यता होने के बावजूद चालक को चलाने

की सुविधा प्रदान करता है। इसके साथ ही मंत्री ने असम पुलिस को 150 ब्रेथ एनालाइज़र दिए, जिससे शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की पहचान की जा सके। ये गाड़ियां राज्य के 10 अधिक दुर्घटना वाले जिलों में पहुंचाए जाएंगे। इनमें से एक काजीरंगा में भी ट्रैफिक गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए लगाया जाएगा। ज्ञात हो कि आधिकारिक उपकरण हैंडओवर समारोह आज असम पुलिस मुख्यालय, उलुबारी में हुआ। परिवहन मंत्री परिमल शुक्लबैद्य ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को परिवहन विभाग और असम पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप से उपकरण सौंपे। ये उपकरण पूरे असम में सबसे अधिक दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में वितरित किए जाएंगे। उन्नत निगरानी से सुसज्जित 10 यातायात इंटरसेप्टर वाहनों की तैनाती प्रवर्तन उपकरण निगरानी बढ़ाने और यातायात उल्लंघनों को रोकने में मदद करेंगे। विशेष रूप से तेज गति, जो असम में दुर्घटनाओं और मौतों का प्रमुख कारण है। डीजीपी ने दोहराया कि विशेष रूप से नगांव और गोलाघाट जिलों को दो टीआईवी दिए जाएंगे।

जिला आयुक्त नियमित रूप से सर्किल आफिसों का करेंगे दौरा

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप (मेट्रो) जिला आयुक्त सुमित सत्तावान नियमित रूप से जिले के राजस्व सर्किल अधिकारियों के कार्यालयों का दौरा करेंगे। डीसी फर्जी भूमि मालिकाना हक सहित भूमि संबंधी मामलों पर जनता की शिकायतों का सीधा संज्ञान लेंगे। जिला आयुक्त महीने के किसी विशेष दिन राजस्व सर्कल अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। जिला आयुक्त ने इस संबंध में आज एक अधिसूचना जारी की है। इसके अनुसार माह के प्रथम शनिवार को चंद्रपुर राजस्व सर्किल, प्रथम रविवार को अजारा, द्वितीय रविवार को सोनापुर, तीसरे रविवार को दिसपुर राजस्व सर्किल तथा चतुर्थ रविवार को जिला आयुक्त गुवाहाटी सर्किल में सुबह 9.30 बजे से उपस्थित रहेंगे। इस सूची के अनुसार, जिला आयुक्त अगले रविवार को गुवाहाटी राजस्व सर्कल अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित रहेंगे।

राष्ट्रीय विकास में एनसीसी की भूमिका की राज्यपाल ने की सराहना

राज्यपाल ने गर्ल्स एनसीसी कैडेट्स के मेगा साइक्लोथॉन को दिखाई हरी झंडी

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज राजभवन में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के एक मेगा साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाई। गुवाहाटी से शुरू होने वाला साइक्लोथॉन एनसीसी कैडेटों की लड़कियों द्वारा एकता और फिटनेस के प्रेरक प्रदर्शन के साथ नई दिल्ली में समाप्त होगा। राज्यपाल कटारिया ने मेगा साइक्लोथॉन के दल के साथ बातचीत की। इस आयोजन के लिए चुने जाने पर टीम के सदस्यों को प्रेरित किया और बधाई दी। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति के प्रतीक के रूप में खड़ा है। उन्होंने कहा कि हमारे महान राष्ट्र में, महिलाओं की भूमिका हमेशा सर्वोपरि रही है। नारी शक्ति पहल आशा और प्रगति का प्रतीक है, जो जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं की अविश्वसनीय क्षमताओं को दर्शाती है। राज्यपाल कटारिया ने कहा कि राष्ट्रीय विकास के लिए युवा शक्ति का उपयोग करने में एनसीसी की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। एनसीसी प्रशिक्षण उन्हें अनुशासित, जमीन से जुड़ा बनाता है और राष्ट्र के प्रति प्रेम भी विकसित करता है। उन्होंने अभियान पूरा करने के लिए सभी को शुभकामनाएं भी दीं। उल्लेखनीय है कि विश्व का सबसे बड़ा वर्दीधारी युवा संगठन राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) वर्ष 2023 में अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। मेगा साइक्लोथॉन एक राष्ट्रीय स्तर का साइकिलिंग अभियान है। प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के आधार पर इस कार्यक्रम का उद्देश्य नारी

शक्ति को प्रदर्शित करना है। मैराथनर कर्नल अंजन सेनगुप्ता के नेतृत्व में एनसीसी यूपी निदेशालय की 14 गर्ल कैडेटों सहित 15 साइकिल चालकों की एक टीम इस अभियान का संचालन कर रही है। साइकिल चालक 24 दिसंबर को अपनी विशाल यात्रा शुरू करेंगे और नई दिल्ली में समापन से पहले चार भारतीय राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश को पार करेंगे। साइकिल चालक प्रति दिन लगभग 90 से 100 किलोमीटर की औसत से 23 सवारी दिनों की अवधि में 2107 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। कार्यक्रम में एनसीसी के पूर्वोत्तर निदेशालय के एडीजी मेजर जनरल गगनदीप और एनसीसी यूपी निदेशालय के एडीजी ब्रिगेडियर राजेंद्र कुमार, राज्यपाल के आयुक्त और सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम और कई एनसीसी और राजभवन के अधिकारियों ने भाग लिया और उन्हें अपना प्रोत्साहन और समर्थन दिया।

लाठी से पीट पीटकर व्यक्ति की नृशंस हत्या

कामरूप (हिंस)। कामरूप जिले के बाईहाटा चरियाली थाना अंतर्गत अल्ता गांव में दिल दहला देने वाली घटना में नयन डेका नामक एक व्यक्ति ने गांव के ही बिनय राजबंशी (38) नामक एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आज बताया कि सिर पर मारे जाने से बेहोश हुए व्यक्ति को जीएनआरसी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपों के अनुसार आरोपी नयन डेका लंबे समय से शराब के अवैध कारोबार में लिप्त है। हालांकि, बाईहाटा चरियाली थाना पुलिस ने नयन के भाई हरदत्त डेका को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

न्याय की मांग : आपसू ने निकाली विरोध रैली

इटानगर (हिंस)। ऑल अरुणाचल प्रदेश स्टूडेंट यूनियन (आपसू) ने पूर्व विधायक यमसेन माटे के न्याय की मांग करते हुए एक सामूहिक विरोध रैली का आयोजन किया, जिनकी हाल ही में एनएससीएन (केवाईए) द्वारा बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस अवसर पर हजारों युवा, आम लोगों ने आज राजधानी इटानगर के आकाशदीप बाजार से राजभवन तक एक रैली निकाली, जिसमें पूर्व विधायक की हत्या के लिए न्याय की मांग और तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग क्षेत्र में सुरक्षा पर सवाल उठाते कई जिलों के छात्र संघों, स्कूली छात्रों और समुदाय-आधारित संगठनों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। पूर्व विधायक की हत्या की कड़ी निंदा करते हुए आपसू के अध्यक्ष दोर्जी ताना तारा ने कहा कि यह तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग क्षेत्र में राजनीतिक और सार्वजनिक हत्या पहली बार नहीं है, राजनीतिक नेताओ की इस तरह की बार-बार हत्या हो रही है। आपसू इस विरोध प्रदर्शन के जरिए हम उन एनएससीएन संगठन को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि अगर आप अपने व्यापक नगालैंड मुद्दे के लिए लड़ेंगे तो हम आपका सम्मान करेंगे, लेकिन तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग के लोग अरुणाचल प्रदेश के नागरिक हैं, हम अपने भाइयों की हत्या को बर्दाश्त नहीं कर सकते। यह विरोध रैली हमारे भाई की बार-बार हो रही हत्या के खिलाफ और पीड़ित परिवार के समर्थन में अपना आक्रोश दिखाने के लिए है। इस दौरान संघ ने अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल को पांच प्रमुख बिंदुओं वाला एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें राज्य की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई का आग्रह किया गया। अरुणाचल प्रदेश और केंद्र सरकार को मामले पर निर्णायक कार्रवाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें यह सूचना मिल रही है कि एनएससीएन के सदस्य भारत-म्यांमार सीमा पर अंतर्राष्ट्रीय सीमा को पार कर के टीसीएल क्षेत्र के हमारे भाइयों को वे मार रहे है, और यह एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा और केंद्रीय विषय है इसलिए हम अपील करते हैं केंद्र सरकार भारत म्यांमार सीमा पर उचित बाड़ और उचित सीमांकन करे और सुरक्षा बल बढ़ाए। सीमा पार करके किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा एक भारतीय की हत्या करना भारत सरकार के चेहरे पर एक बड़ा तमाचा है।

कनकलता बरुवा की 100वीं जयंती समारोह में सीएम समेत मंत्री अशोक सिंघल शामिल

बिश्वनाथ (हिंस)। राज्य के शहरी विकास आदि मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की उपस्थिति में आज शहीद कनकलता बरुवा की 100वीं जयंती समारोह के अवसर पर आज सुबह गहपुर थाना परिसर में वीरांगना को श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और शहीद मुकुंद काकती को भी उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के साथ बिश्वनाथ के गहपुर हायर सेकेंडरी स्कूल मैदान में रंगारंग कार्यक्रम के साथ आयोजित *शहीद कनकलता बरुवा की 100वीं जयंती का उत्सव* समारोह में भाग लेकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। देशभक्ति की लुप्त होती प्रतीक शहीद कनकलता बरुवा का अदम्य साहस और अनुकरणीय बलिदान हमें हमेशा मां भारती के प्रति समर्पित होने के लिए प्रेरित करता है। ऐसे आदर्शों से प्रेरित होकर, उन्होंने सभी से राष्ट्र के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया। आज की बैठक में सांसद पल्लब लोचन दास, मंत्री बिमल बोरा, बिहाली विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व मंत्री रंजीत दत्त, गहपुर के विधायक उत्पल बोरा, बिश्वनाथ विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रमोद बरठाकुर समेत कई गण्यमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

पांच भू-माफिया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के भरलुमुख पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने जांच के बाद पांच भू माफियाओं को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर दिगंत बोरा ने शुक्रवार को दी। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि भरलुमुख थाने में धारा 420/406/409/468/471/34 आईपीसी के तहत दर्ज मामला 362/2023 में पांचों भू माफिया को गिरफ्तार किया गया। 11 दिसंबर को शिकायतकर्ता गायत्री शर्मा ने एक एफआईआर दर्ज करवाई था। एक भूखंड (वर्तमान बाजार मूल्य 2 करोड़ से अधिक) जिसकी माप 1 कट्टा-4 लेसा है। दाग नंबर 115 पट्टा नंबर 1021 है। भूमि टीआरपी रोड, भारलुमुख में है। स्वर्गीय देबेंद्र गोस्वामी और दो अन्य भाइयों के नाम पर जमीन था। कानूनी उत्तराधिकारी स्वामित्व हस्तांतरित करने के लिए सर्कल कार्यालय में गए, तो उन्हें पता चला कि एक माणिक दास ने 1995 में उसे बेच दिया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि विक्रय पत्र फर्जी है। तदनुसार, उपरोक्त मामले की जांच की गई। जांच में यह पाया गया कि सब रजिस्ट्रार कार्यालय की ड्राफ्ट चिट्ठा में धोखाधड़ी से विक्रय पत्र तैयार किया गया और फिर मूल्यवान भूमि का टुकड़ा हड़प लिया गया। मुख्य आरोपी माणिक दास की अप्रैल में मृत्यु हो गई। उसकी मृत्यु के बाद भूमि पर अमूल्य कलिता और अन्य लोगों का कब्जा है। एकत्र किए गए साक्ष्यों के आधार पर मामले के संबंध में तुमन दास (25, भरलुमुख), अमूल्य कलिता (56 भरलुमुख), नीरेन चौधरी, (55, भरलुमुख), पंकज दास (56, भरलुमुख) और रहम रोहमन (44, फाटाशील आमबाड़ी) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों में से उप-रजिस्ट्रार कार्यालय के तीन कर्मचारी भी हैं, जिन्हें पहले ही अन्य मामलों में गिरफ्तार किया गया था। जिसमें देबाशीष बरुवा, अजीत चौधरी बरुवा, सदोय केआर डेका शामिल है। आगे की जांच जारी है।

बामुनिपथार मंडल संसाधन केंद्र की ओर से पाभाई में मना जनता उत्सव

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ शिक्षा प्रखंड के अंतर्गत बामुनिपथार मंडल संसाधन केंद्र के सौजन्य में आज पाभोई प्राथमिक विद्यालय में जनता उत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम में प्रायः हजारों जनता, अभिभावक और मातृ महिलाएं उपस्थित थे। विद्यार्थी के शारीरिक, मानसिक तथा बौद्धिक विकास के साथ विद्यालय समूहों के बीच सामाजिक आदान-प्रदान के जरिए शिशु के सर्वांगीण विकास पथ निर्माण करने के उद्देश्य आगे रखकर आज विश्वनाथ शिक्षा प्रखंड के अंतर्गत पाभोई प्राथमिक विद्यालय में आकर्षण कार्यक्रम के साथ जनता उत्सव सामूहिकता के हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व समन्वयक एवं पाभई प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिलीप पौरेल ने किया। महोत्सव का आयोजन बामुनिपाथर मंडल संसाधन केंद्र और स्कूलों के सौजन्य में आयोजित जनता महोत्सव में रंगामुरी,

बामुनिपाथर, साकोमाथा आदर्श विद्यालय और पाभाई सहित 11 स्कूलों ने भाग लेकर कार्यक्रम को चार चांद लगा दी। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह ध्वजारोहण के साथ हुई। यह त्यौहार छात्रों, लोगों, अभिभावकों और उद्यमशील स्कूलों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक जुलूस के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में पोशाक, समूह नृत्य, गीत और ड्राइंग प्रतियोगिता सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। बैठक में बिश्वनाथ प्रेस क्लब के सलाहकार निरंजन हजारिका, पत्रकार गुलाम रसूल, जगतार सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता पदुम बराई, हिंदी शिक्षक चित्र पौड़ेल, अरूप हजारिका, सेवानिवृत्त शिक्षक केशव हजारिका, रेखा हजारिका और मंडल समन्वयक जीतू छेत्री के हजारों जनता उपस्थित थे।

शिक्षा मंत्री पेगू ने 33, 482 छात्रों में की छात्रवृत्ति वितरित

गुवाहाटी (हिंस)। आज असम सरकार के प्राथमिक शिक्षा निदेशालय के तहत 2016 में आयोजित छात्रवृत्ति परीक्षा में पात्र पाए गए राज्य के 33 हजार 482 मेधावी छात्रों को *मुख्यमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना* की राशि का औपचारिक वितरण शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू द्वारा किया गया। कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया के जरिए शिक्षा मंत्री पेगू बताया कि उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे छात्रवृत्ति के धन का उपयोग शैक्षणिक गतिविधियों के लिए करें और पढ़ाई पर ध्यान देकर भविष्य में खुद को अच्छे नागरिक के रूप में स्थापित करने का प्रयास करें। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने छात्रों अभिभावकों के साथ ही स्कूल प्रबंधन एवं शिक्षकों को भी कई आवश्यक सुझाव एवं दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मंत्री पेगू के साथ मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार प्रोफेसर ननी गोपाल महंत और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विभिन्न अनाथालय में लायंस उमंग ने बांटे गर्म कपड़े

गुवाहाटी (विभास)। महिलाओं की अग्रणी संस्थानों में से एक लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग के तत्वाधान में महानगर के विभिन्न अनाथालय में बच्चों व बड़ों के लिए गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में ऑक्सिलियम स्नेहलय की नूनमाटी, धीरानपाड़ा, पलटन बाजार, बेतकुची व बेलतला स्थित अनाथालय केंद्रों के अलावा नारंगी स्थित अजय पोद्दार कंपलेक्स परिसर में भी आसपास के आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लोगों के बीच भी गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। अध्यक्ष श्रीमती पोद्दार ने बताया कि दिसंबर महीने की ठिठुरती ठंड को देखते हुए क्लब की ओर से मानव सेवा की दिशा में यह कार्य संपादित किया गया है, जिसका लाभ 540 लोगों व बच्चो को मिला। उन्होंने बताया कि लायंस जिला 322जी के वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी कार्यक्रम के तहत यह कार्य संपादित किया गया। इस दौरान वीडीजी प्रथम सीमा गोयनका, रीजनल चेयरपर्सन रितु बांका, अध्यक्ष कंचन पोद्दार, कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी उपस्थित थी। इस कार्य को सफल बनाने में क्लब की सभी सदस्याओ का भरपूर सहयोग रहा।

मंत्री पीयूष हजारिका ने मुख्यमंत्री कार्यक्रम की तैयारी का लिया जायजा

मोरीगांव (हिंस)। असम सरकार के सूचना एवं प्रसारण, जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आज जागीरोड में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की चल रही तैयारी का जायजा लिया। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा 24 दिसंबर को जागीरोड में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन के पूर्व उन्होंने आज बूथ संख्या 190 पर अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ एक तैयारी बैठक को संबोधित किया। यहां उन्होंने बाद में श्यामापोली क्लब में कई बूथों के अध्यक्षों और सचिवों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों पर चर्चा की। इसके साथ ही मंत्री हजारिका ने निरीक्षण बंगले और जागीरोड विकास प्राधिकरण के कार्यालय का दौरा करके तैयारियों का जायजा लिया।

तीन दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम के साथ शक्तिआश्रम एसएस स्कूल का हीरक जयंती समारोह संपन्न

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के शक्तिआश्रम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के साथ आज हीरक जयंती समारोह का भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन सुबह विद्यालय के प्राचार्य लखन चंद्र दास और बीटीआर के कार्यकारी सदस्य अरूप कुमार दे ने झंडा फहराया। इसके बाद स्मार विमोचन बीटीआर के कार्यकारी ने की। विद्यालय प्रतिष्ठापक स्वर्गीय प्राचार्य जितेंद्र नाथ राय के प्रतिमूर्ति पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर किए गए। इसके अलावा विद्यालय के प्रतिष्ठापक उपाध्यक्ष स्वर्गीय कृष्ण मोहन अधिकारी देव के प्रतिमूर्ति पर माल्यार्पण की गई। इसके बाद चितला हाई स्कूल के अवकाश प्राप्त प्रधानाध्यापक बीरेंद्र राय ने खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया। जहां केएसी के कार्यकारी सदस्य परमेश्वर राय उपस्थित थे। वहीं शाम को सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन बीटीआर के शिक्षा विभाग के निर्देशक जगदीश प्रसाद ब्रह्म ने पौधा रोपण किया। इस कार्यक्रम में पूर्व छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके बाद एक शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन जिले

के विधायक रबिराम नार्जारी ने उद्घाटन किया। सुबह 9 बजे सांस्कृतिक शोभायात्रा निकली गई। शोभायात्रा का उद्घाटन विधायक लोरेंस इस्लारी ने की। इस सांस्कृतिक शोभायात्रा में हजारों की संख्या में विद्यालय के छात्र-छात्राओं हिस्सा लिया। यह सांस्कृतिक शोभायात्रा शक्तिआश्रम विद्यालय से मोनाकोचा होते हुए वापस विद्यालय पहुंची। जहां दोपहर 1 बजे से एक खुली सभा का आयोजन बीटीआर के कार्यकारी सदस्य अरुप कुमार दे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस सभा में मुख्य अतिथि के रूप में बीटीआर के चीफ प्रमोद बोड़ो उपस्थित थे। साथ ही बीटीआर के कार्यकारी सदस्य रेवरेवा नार्जारी, धर्म नारायण दास, विधायक लोरेंस इस्लारी, केएसी के कार्यकारी सदस्य परमेश्वर राय, उपस्थित थे। सभा में उपस्थित सभी अतिथियों का फुलाम गामोछा से सम्मानित किए गए। सभा में सवागत भाषण में प्रचार्य लखन चंद्र दास ने दिया। इसके बाद बीटीआर के चीफ प्रमोद बोड़ो ने भाषण देते हुए कहा कि शक्तिआश्रम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का रिक्त पदों को जल्द से जल्द पूर्ति की जाएगा। इसके अलावा विद्यालय में नई क्लास व मरममत-निर्माणकार्य भी पूरा किया जाएगा।

संपादकीया

उपराष्ट्रपति की मिमिक्री

संसद परिसर में ही उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के सार्वजनिक अपमान पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को कहना पड़ा कि यह 'अशोभनीय आचरण' है। राष्ट्रपति व्यथित हुईं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पीड़ा साझा की कि वह 20 साल से ऐसा ही अपमानजनक व्यवहार झेल रहे हैं। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला उपराष्ट्रपति से मुलाकात करने गए और सांसदों के आपत्तिजनक व्यवहार पर गहरी चिंता जताई। उपराष्ट्रपति के अपमान पर देश भर से क्या प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं, वे सुर्खियां बनी हैं। भारत की 'संवैधानिक त्रिमूर्ति' को संसद परिसर में ही क्षोभ जताना पड़ा है। यह लोकतंत्र और संविधान का भी अपमान है। संसद परिसर किसी विदूषक, कॉमेडियन, जोकर या नकलची का मंच नहीं है। बेशक संसद के दोनों सदनों से 143 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया है। सांसद संसद के प्रवेश-द्वार पर बैठे हैं। वे संसद भवन से विजय चौक या राष्ट्रपति भवन तक मार्च निकाल सकते थे अथवा जंतर-मंतर पर मॉक संसद का आयोजन कर अपना विरोध जता सकते थे, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने उपराष्ट्रपति धनखड़ के हाव-भाव और भंगिमाओं की नकल कर उनका मजाक उड़ाया। क्या सांसद के नाते यही संस्कार और आचार-संहिता सीखी है उन्होंने? कल्याण भी विदूषक या जोकर नहीं हैं, जो नकल करने की कला पर निलंबित सांसदों को हंसा रहे थे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी उस 'मिमिक्री' का वीडियो बना रहे थे। क्या उन्हें 'संवैधानिक चेहरे' की खिल्ली उड़ाने में सुख मिलता है? यह देश का भी अपमान है। राहुल गांधी भी उपराष्ट्रपति के अपमान में शामिल दिखे। चूंकि मोदी सरकार अडाणी समूह, बेरोजगारी, महंगाई सरीखे महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर सरोकार नहीं जता रही है, तो इसके मायने ये नहीं हो सकते कि राज्यसभा के सभापति को सरेआम बेइज्जत करें। आखिर इस मजाक और अपमान के तर्क क्या हैं? उपराष्ट्रपति देश का दूसरा सर्वोच्च संवैधानिक पद है। जगदीप धनखड़ निर्वाचित होकर पदासीन हुए हैं। कल्याण बनर्जी कुछ भी सफाई दें, लेकिन राज्यसभा के सभापति के प्रति उनका आक्रोश, उनकी खीझ और नफरत ही अभिव्यक्त हुई हैं। संसद परिसर में यह व्यवहार अक्षम्य है। संभव है कि राज्यसभा के निलंबित सांसद, सभापति के फैसले से, असहमत और असंतुष्ट हों! ज्यादातर सांसद लोकसभा से निलंबित किए गए हैं। हमने ऐसी कार्रवाई का विश्लेषण किया था और इन्हें 'कठोरतम कर्रवाई' करार दिया था। ऐसी कार्रवाई की जाएंगी, तो संसद विपक्ष-मुक्त होने लगेगी। यह भी संवैधानिक स्थिति नहीं है, लेकिन इन पीठासीन अध्यक्षों के फैसलों के बदले में संवैधानिक चेहरों का अपमान भी बिल्कुल अस्वीकार्य है। हमें याद नहीं आता कि ऐसा सार्वजनिक अपमान संसद परिसर में पहले कभी किया गया हो! बहरहाल अब इस अपमान की सार्वजनिक प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। जाट समाज की खाप के प्रधान जगदीप सेहरावत ने कहा है कि यह उपराष्ट्रपति ही नहीं, देश के किसानों का भी अपमान है। खाप ने माफी मांगने का आग्रह किया है। अन्यथा किसान और जाट मिलकर तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। सर्वोच्च अदालत के अधिवक्ता विनीत जिंदल ने विवादास्पद सांसदों के खिलाफ लोकसभा और राज्यसभा की आचार समितियों में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कल्याण, राहुल और अन्य सांसदों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। यह संसद में जातीयता का मुद्दा नहीं है, लेकिन उपराष्ट्रपति के पद और सदन के संरक्षक की गरिमा को कैसे गिराया जा सकता है? यदि भाजपा ने जाट और किसान अपमान का भी मुद्दा बना लिया, तो गौरतलब है कि देश भर में 9 करोड़ से अधिक, करीब 6.5 फीसदी आबादी, जाट हैं। हरियाणा में उनकी आबादी 27 फीसदी के करीब है, जबकि पंजाब में 25 फीसदी, राजस्थान में 14 फीसदी, दिल्ली-पश्चिमी उप्र में 10-10 फीसदी के करीब आबादी है। जाटों ने दिल्ली में महापंचायत भी बुलाई है। यह महत्त्वपूर्ण राजनीतिक और चुनावी मुद्दा बन सकता है। दरअसल संसद के भीतर संवैधानिक और राजनीतिक टकराव के समीकरण गहराते जा रहे हैं।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला उपराष्ट्रपति से मुलाकात करने गए और सांसदों के आपत्तिजनक व्यवहार पर गहरी चिंता जताई। उपराष्ट्रपति के अपमान पर देश भर से क्या प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं, वे सुर्खियां बनी हैं। भारत की 'संवैधानिक त्रिमूर्ति' को संसद परिसर में ही क्षोभ जताना पड़ा है। यह लोकतंत्र और संविधान का भी अपमान है। संसद परिसर किसी विदूषक, कॉमेडियन, जोकर या नकलची का मंच नहीं है। बेशक संसद के दोनों सदनों से 143 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया है। सांसद संसद के प्रवेश-द्वार पर बैठे हैं। वे संसद भवन से विजय चौक या राष्ट्रपति भवन तक मार्च निकाल सकते थे अथवा जंतर-मंतर पर मॉक संसद का आयोजन कर अपना विरोध जता सकते थे, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने उपराष्ट्रपति धनखड़ के हाव-भाव और भंगिमाओं की नकल कर उनका मजाक उड़ाया। क्या सांसद के नाते यही संस्कार और आचार-संहिता सीखी है उन्होंने? कल्याण भी विदूषक या जोकर नहीं हैं, जो नकल करने की कला पर निलंबित सांसदों को हंसा रहे थे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी उस 'मिमिक्री' का वीडियो बना रहे थे। क्या उन्हें 'संवैधानिक चेहरे' की खिल्ली उड़ाने में सुख मिलता है? यह देश का भी अपमान है।

संसद की कार्यवाही में बाधा अपवाद की बजाय नियम बन गया है और हमारे राजनेताओं को इस पर कोई पछतावा नहीं होता है

किस तरह की विरासत छोड़ रहे हमारे सांसद

प्रियंका सौरभ

संसद में शोर-शराबा, वेल में जाकर नारेबाजी, एक-दूसरे पर निजी कटाक्ष करना यहां तक कि कई बार हाथापाई पर उतारू हो जाना आज संसद की आम तस्वीर है। आखिर सियासी पार्टियों और सांसदों का बर्ताव इतना अराजक क्यों हो गया है? क्या आज पार्टियों के निहित स्वार्थों ने संसद को मजाक बनाकर रख दिया है। अब समय आ गया है कि हमारे सभी सांसद इस बात पर ध्यान दें कि संसदीय लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया जा सकता है। अन्यथा जनता ही उसका उपहास करने लगेगी। हमारे सांसदों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि वे किस तरह की विरासत छोड़ रहे हैं। क्या वे संसद को इसके पतन के भार के नीचे दबने देंगे? आज जो हो रहा है, वो हम देख ही रहे हैं। उम्मीद है कि देश के सांसदों को, सांसद चलाने वालों को इस बात का भान जल्द हो कि देश का नागरिक उन्हें कितनी उम्मीद के साथ देखता है। साथ ही उन्हें कई मौकों पर उदाहरण की तरह रखता है। पिछले कुछ दिनों से संसद में जो कुछ हो रहा है, उससे देश निराश है। संसद चला कर ही सरकार विपक्ष के सवालों के जवाब सही ढंग से दे सकती है। हंगामे के माहौल में सांसदों को अपनी बात रखने का मौका ही नहीं मिलता। कोई बच्चा भी समझ सकता है वेल में जाकर नारेबाजी और हंगामा कर सदन की कार्यवाही रोकने से कैसे विरोध जताया जा सकता है। अच्छी बात तो तब कही जाएगी, जब आप अपने सवाल साफ-साफ रखें और सरकार साफ-साफ जवाब दे पाए। लेकिन इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि संसद की कार्यवाही में बाधा अपवाद की बजाय नियम बन गया है और हमारे राजनेताओं को इस पर कोई पछतावा नहीं होता है। पिछले वर्षों में यह गिरावट बड़ी तेजी से आई है। सांसद एक-दूसरे पर चिल्लाते हैं, विधायी कागजों को छीन कर फाड़ देते हैं, छोटे से मुद्दे पर सदन के बीचों-बीच आ जाते हैं। पिछले वर्षों में ज्यादातर विधेयकों को बिना चर्चा के ही पारित किया गया है। यह संसदीय प्रणाली का दुरुपयोग है। सांसदों के रवैये को देखते हुए लगता नहीं है कि उनकी मंशा देश की विकास योजनाएं बनने देने की है। ऐसा लग रहा है कि सांसदों ने पूरे संसदीय लोकतंत्र को बंधक बना लिया है। क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही आजकल टीवी पर लाइव दिखाई जाती है, लिहाजा देश का आम आदमी भी वह सबकुछ देखता है, जो संसद में रोज हो रहा है। आखिर सांसद लोगों के सामने अपनी क्या छवि पेश कर रहे हैं? जरा सोचिए कि देश के लोगों के मन में आपकी क्या छवि बनती जा रही है? इस गिरावट का कारण यह है कि राजनीति आज संख्या का खेल बन गई है जिसके चलते क्षेत्रीय क्षत्रप अपनी मनमर्जी कराने के लिए दबाव डालते हैं। वे न केवल दादागिरी की राजनीति में विश्वास करते हैं अपितु सफल संसद सत्र के पैमाने को 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' भी बनाते हैं। आज विषय-वस्तु की बजाय आकार महत्वपूर्ण बन गया है जिसके चलते संसद में गली-मोहल्लों के झगड़ों जैसे दृश्य देखने को मिलते हैं। इसलिए इस गिरती राजनीतिक संस्कृति और नैतिक मूल्यों में संसदीय कार्यवाही में राजनीति को प्रभावित करने वाली विषय सामग्री नहीं मिलती है। कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि संसद अब महज एक स्कोरिंग क्लब बन कर रह गई है। बहुतों को पता होगा कि संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर ढाई लाख रुपए खर्च हो जाते हैं। इस तरह एक दिन की सामान्य कार्यवाही पर औसतन छह करोड़ रुपए का खर्च आता है। जिस दिन कार्यवाही लंबी चलती है, उस दिन खर्च और बढ़ जाता है। जरा सोचिए कि यह पैसा आता कहां से है। जाहिर है कि देश के आम लोगों की जेब से ही आता है। लोकतंत्र में इससे बड़ा और क्या मजाक होगा कि संसद की कार्यवाही लगातार ठप रही या फिर दिनभर रह-रह कर हंगामा होता रहे, फिर भी एक दिन में छह करोड़ रुपए खर्च हो जाएं। जरा सोचिए कि छह करोड़ रुपए से क्या-क्या हो सकता है? हजारों गांवों की किस्मत संसद की एक दिन की कार्यवाही पर होने वाले खर्च से बदल सकती है। लघु और कुटीर उद्योगों से हजारों नौजवानों की किस्मत संवर सकती है। लेकिन सांसद यह सब नहीं सोचते। विकास योजनाएं भले न बनें, व्यक्तिगत हित जरूर सुधरने चाहिए। एक बात और सारे सांसद हंगामेबाज हों, ऐसी बात नहीं हैं। जो कामकाज को लेकर गंभीर हैं, वे कुछ नहीं कर पाते। सवाल है कि सांसद हर बार माहौल क्यों नहीं बनाते? क्या सांसद केवल हंगामा करने के लिए ही पहुंचते हैं? हकीकत यह है कि लोकतंत्र का लोक यानी देश की जनता लोकसभा का चुनाव सीधे तौर पर करती है। ऐसे में अप्रत्यक्ष रूप से चुने गए सदन को लोक के सदन यानी लोकसभा की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि लोकसभा में हुए हर काम में अड़ंगा डाल दिया जाए। लोकसभा में तय दिनों में सभी सांसदों को तीन-तीन मिनट ही सही, अपने चुनाव क्षेत्र के बारे में बोलने दिया जाए। बार-बार हंगामा करने वाले सांसदों को चिन्हित किया जाए और उनकी सूची प्रचारित कराई जाए। ऐसे नियम बनाए जाएं कि वेल में आने या पर्चा लहराने या दूसरा किसी भी किस्म का हंगामा करने वाले सांसद के खिलाफ़ खुद-ब-खुद कोई तय कार्रवाई हो जाए। कुछ सांसद वॉकआउट करने के बाद दोबारा सदन में क्यों आ जाते हैं? केवल दिखावा करने के लिए ऐसा करते हैं, उन्हें देश के विकास से कोई लेना-देना नहीं है। वे संसद में कुछ कर नहीं पा रहे हैं और उधर उनके लोकसभा क्षेत्र की जनता त्रस्त। वे उनकी समस्याएं सुलझा ही नहीं पा रहे हैं, क्योंकि संसद में केवल हंगामा हो रहा है। इसलिए संसद को अखाड़ा बनने से रोकें। नेतृत्व को भी अपनी बात समझाएं, उनके हर गलत-सही आदेश का आंख मूंदकर पालन न करें। लोकतंत्र के पवित्र मंदिर की गरिमा बचाए रखना सांसदों का प्रथम काम है। संसद को महत्वहीन बनाने के खतरनाक आयामों को शायद ये लोग नहीं समझते हैं। हमारी संसद हमारे राष्ट्र की आधारशिला है जो जनता का प्रतिनिधित्व करती है और जिससे अपेक्षा की जाती है कि वह हमारे राष्ट्रीय हितों पर संप्रभु निगरानी रखे। सरकार संसद के प्रति उत्तरदायी है और सरकार का अस्तित्व उस पर लोकसभा के विश्वास पर निर्भर करता है। अतः समय आ गया है कि हमारे सभी सांसद इस बात पर ध्यान दें कि संसदीय लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया जा सकता है। अन्यथा जनता ही उसका उपहास करने लगेगी। हमारे सांसदों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि वे किस तरह की विरासत छोड़ कर जा रहे हैं।

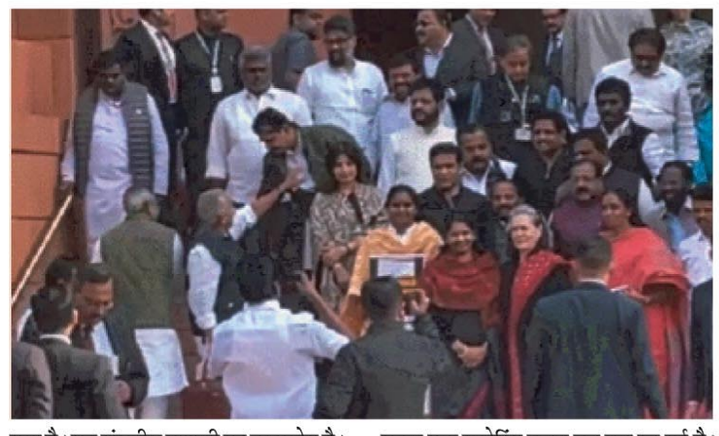

हमारे सांसदों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि वे किस तरह की विरासत छोड़ रहे हैं। क्या वे संसद को इसके पतन के भार के नीचे दबने देंगे? आज जो हो रहा है, वो हम देख ही रहे हैं। उम्मीद है कि देश के सांसदों को, सांसद चलाने वालों को इस बात का भान जल्द हो कि देश का नागरिक उन्हें कितनी उम्मीद के साथ देखता है। साथ ही उन्हें कई मौकों पर उदाहरण की तरह रखता है। पिछले कुछ दिनों से संसद में जो कुछ हो रहा है, उससे देश निराश है। संसद चला कर ही सरकार विपक्ष के सवालों के जवाब सही ढंग से दे सकती है। हंगामे के माहौल में सांसदों को अपनी बात रखने का मौका ही नहीं मिलता।

दृष्टि कोण

संसद की सुरक्षा में सेंध और विपक्ष

पिछले दिनों सुरक्षा को भेदकर दो युवक संसद के अंदर पहुंच गए और वहां नारे लगाने लगे और किसी कैन से पीला धुआं भी छोडने लगे। वे अध्यक्ष के आसन की ओर बढ़ रहे थे कि दो सांसदों ने उन्हें पकड़ लिया। जिस समय वे संसद में नारे लगा रहे थे उसी समय उनके दो साथी संसद के बाहर नारे लगा रहे थे और धुआं भी फैला रहे थे। एक तीसरा शख्स इस सारे घटनाक्रम की वीडियो बना रहा था। अलबत्ता संसद के अंदर और संसद के बाहर हल्ला कर रहे इन चारों लोगों के टैलीफोन भी वीडियो बना रहे इस पांचवें शख्स ने ही संभाल रखे थे। वीडियो बना कर और उसे सोशल मीडिया पर डालकर पांचवां शख्स गायब हो गया और उसने ये सभी टैलीफोन जला दिए। इस कड़ी से जुड़े हुए सभी व्यक्ति देश के अलग-अलग प्रांतों के रहने वाले थे। कर्नाटक, हरियाणा, बंगाल और उत्तर प्रदेश। कहा जा रहा है कि वे सोशल मीडिया के माध्यम से ही एक-दूसरे से परिचित थे। वैसे वे देश में जहां भी कोई आंदोलन होता था, चाहे आंदोलन का मकसद कुछ भी हो, ये वहां भी शामिल होते थे। एक प्रकार से ये चिर आंदोलनजीवी थे। लेकिन यह सचमुच सुरक्षा व्यवस्था का गंभीर मामला था। इसकी जांच जरूरी थी ताकि इस पूरे षड्यंत्र के पीछे के सूत्रधारों तक पहुंचा जा सके। यह किसी पार्टी या व्यक्ति का मसला नहीं था, बल्कि देश की सुरक्षा का प्रश्न है। लगता था देश की सुरक्षा के इस मसले पर पक्ष-विपक्ष एक स्वर से बोलेंगे, लेकिन आश्चर्य कि एक-दो दिन बाद ही सुरक्षा के इस मसले पर भी राजनीति होने लगी। शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राऊत ने कहा कि दो-चार लडक़े महंगाई और बेरोजगारी के बारे में नारे लगाते हुए संसद के अंदर चले गए। देश के युवाओं की दिशा बदल रही है, वे निराश हैं। इसके लिए सरकार जिम्मेदार है। सरकार किस तरह जिम्मेदार है, इसका खुलासा भी उन्होंने किया कि जिस समय लडक़े निराश होकर संसद के अंदर घुस रहे थे उस समय सरकार सभी राज्यों में शपथ ग्रहण समारोह में व्यस्त थी। देश की सुरक्षा से खिलवाड़ हुआ है और यह कोई बर्दाश्त नहीं करेगा। संजय राऊत की चिंता जायज है। देश की सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं हो सकता। लेकिन उन्होंने इस पूरी घटना की व्याख्या बहुत ही चालाकी से, सुरक्षा से हटा कर महंगाई और बेरोजगारी से जोडक़र कर दी। उनके अनुसार महंगाई और बेरोजगारी से निराश होकर अब देश का युवा आंदोलन का यह रास्ता अपना रहा है। यानी संसद के अंदर घुस कर नारे लगाना, धुआं फैलाना व पटाखे चलाना भी महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ आंदोलन का हिस्सा ही है। संजय राऊत को सुन कर यह लगा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इस गंभीर मसले का कोई इतना सरलीकरण कैसे कर सकता है। यकीनन यह संजय राऊत का अपना व्यक्तिगत मत हो सकता है, पूरे विपक्ष का नहीं, चाहे उद्धव गुट की शिव सेना भी इंडी गठबंधन के भीतर ही है। लेकिन जल्दी ही संकेत मिलने शुरू हुए, संजय राऊत राष्ट्रीय सुरक्षा के इस गंभीर मसले पर इंडी गठबंधन का मत ही व्यक्त कर रहे थे। संजय राऊत के इस बयान के बाद राहुल गांधी प्रकट हुए। उन्होंने संजय राऊत की व्याख्या को आगे बढ़ाया। उन्होंने लगभग सभी आरोपियों को बरी करते हुए कहा कि यह मसला देश में बढ़ रही महंगाई व बेरोजगारी से जुड़ा हुआ है। इसीलिए इस प्रकार के कांड हो रहे हैं। राहुल गांधी का अभिप्राय साफ था कि देश में महंगाई व बेरोजगारी बढ़ रही है, इसलिए युवा संसद के अंदर घुस आए हैं ताकि सरकार का ध्यान महंगाई और बेरोजगारी की ओर आकर्षित किया जा सके। राहुल गांधी की व्याख्या इसलिए चिंताजनक है क्योंकि इस कांड की जांच अभी प्रारम्भिक दौर में है। लेकिन जांच शुरू होने से पहले ही कांग्रेस देश के लोगों को समझा रही है कि मामले को तूल दिया जा रहा है। इस मामले की जड़ तो महंगाई और बेरोजगारी में है। सरकार महंगाई और बेरोजगारी से न लड कर, युवा पीढ़ी को पकड़ रही है।

कुछ अलग

डरा हुआ गणतंत्र!

इस बार गणतंत्र न तो सर्दी से ठिठुर रहा था और न ही पार्क के एक कोने में उदास अनमना सा बैठा था, अपितु वह तना हुआ समारोह का आनंद उठा रहा था। मैं चुपचाप गणतंत्र की सारी हरकतें देख रहा था। मैं भी उसके पास बैंच पर जा बैठा और धीरे से बोला-'क्या बात है गणतंत्र जी, बड़े खुश नजर आ रहे हो?' गणतंत्र ने मुझे देखा नहीं, उलटे भरपूर मुस्कान के साथ बोला-'लोकतंत्र की चिंता में दुबला होते हुए वर्ष बीत गए।

कब तक रोऊं इस लोकतंत्र के नाटक को। नए युग के नए लोकतंत्र की भांति मैंने भी अपने आपको बदल लिया है। साम्प्रदायिकता, जात-पांत और आडम्बरों से भरे लोकतंत्र की चिंता मैं अकेला क्यों करूं? तुम जाओ अपना वोट बेचो, मुझे गणतंत्र दिवस समारोह का लुत्फ उठाने दो। तुम हर बार दाल-भात में मूसल चंद की तरह आ टपकते हो। तुम मेरा हाल-चाल जानने के लिए सदैव क्यों परेशान रहते हो?' मैं बोला-'तुम स्वांग भर रहे हो और खुश होने का ढोंग कर रहे हो।

मुझे पता है तुम्हारी हालत खराब है और तुम अपनी बदहाली को छुपा रहे हो। तुम्हारी हालत आज भी 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' जैसी ही है। मैं एक जागरूक लेखक हूं। मुझे तुम्हारी चिंता है। गत वर्ष भी मैंने तुम्हारे ऊपर बदहाली का निबंध लिखा था और इस बार भी मैं तुम्हारे संबंध में साफ-साफ लिखना चाहता हूं।' 'मैं जानता हूं तुम लेखक हो।

हर वर्ष एक लेख छपाने के लिए तुम मेरे पास आ चिपकते हो। गुजरात में जो हुआ, उससे मैं खुश हूं। गुजरात को लेकर तुम संदिग्ध क्यों हो? वहां लोकतंत्र की विजय हुई है। कांग्रेस का हारना मेरी दुर्गति क्यों मानते हो? मुझे तीसरी बार गुलाब के फूलों की माला पहनाई गई है। तुम अपने एक लेख के लिए मुझे कोसने में लगे रहते हो? जाओ, लिखना है तो वामदलों पर लिखो, जिन्होंने दिल्ली में कोहराम मचाकर कांग्रेस का चैन छीन रखा है।' 'तुम तो चालाक हो गए हो गणतंत्र भाई! मेरा लेख लिखना जरूरी है। गणतंत्र दिवस के मौके पर मेरा लेख छपेगा तो पारिश्रमिक मिलेगा, इसलिए तुम वही बने रहो तो मेरा काम आसान हो जाएगा। तुम्हारा खुश होना मेरे लेखन में बाधा है। अपनी माली हालत चंगी दिखाकर तुम मेरी छपास का नाश मत करो। तुम वही दीन-हीन और कारुणिक बने रहो, वर्ना मैं गणतंत्र दिवस पर क्या लिखूंगा?' मैंने कहा तो गणतंत्र ने ठहाका लगाया और बोला-'तुम्हारे लेख के लिए मैं सदैव रोता रहूं। युगबोध को मैंने भली प्रकार से समझ लिया है। हवाओं के रुख के साथ चलने लगा हूं मैं भी।

जाओ, मैं फिर कहता हूं, मुझ पर लिखने की एवज तसलीमा पर लिखो, जिसकी तमाम स्वतंत्रताएं समाज ने छीन ली हैं। मैं अपने हर हाल में खुश हूं। मुझे बेवकूफ मत बनाओ।' मैंने कहा-'तुम सब जानते हो, उसके बाद भी सारा हलाहल पीकर मदमस्त बने हुए हो? तुम्हें सच बताना होगा कि तुमने यह सब सीखा कैसे? कैसे ढाल लिया है अपने आपको हालात के अनुसार।

तुम किसी से डर कर तो ऐसा नहीं कर रहे?' मेरे मुंह से यह सुनकर उसे सांप सूंघ गया। चेहरा पीला पड़ गया और वह दर्द से कराहने लगा। मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि वह झूठ क्यों बोल रहा था? इस बार का गणतंत्र डरा हुआ था।

देश दुनीया से

मानव मस्तिष्क का गणीतीकरण व समाज

गणित विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक महत्वपूर्ण उपकरण होने के साथ साथ मानव मस्तिष्क की विचार प्रक्रिया के गनीतीकरण का सर्वोत्तम साधन है। महान गणितज्ञ 'गाउस' ने गणित को सभी विज्ञानों की रानी कहा क्योंकि बहुत से विषय ऐसे हैं जो गणित के बगैर अधूरे हैं। प्राचीन काल में भी गणित का स्थान सभी प्रकार के ज्ञान-विज्ञानों में सर्वोपरि रहा। वेदांग ज्योतिष में कहा भी गया है, 'यथा शिखा मयूराणाम नागानां मणयो यथा', तथा 'वेदांग शास्त्राणाम गणितम मुर्ध्रीं स्थितं', अर्थात जिस प्रकार मोरों में शिखा और नागों में मणि का स्थान सबसे ऊपर है, उसी प्रकार सभी वेदांग और शास्त्रों में गणित का स्थान सबसे ऊपर है। भारतवर्ष के लिए गर्व की बात यह है कि बारहवीं सदी तक गणित के क्षेत्र में किए गए अधिकतर महत्वपूर्ण कार्य भारतीय गणितज्ञों की खोजों पर ही आधारित थे। लेकिन वर्तमान में स्थितियां बहुत अलग हैं। वर्ष 2009-10 में भारत ने पहली बार आधुनिक अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन में भाग लिया जिसमें गणित के कौशल का भी मूल्यांकन हुआ और इस परीक्षा में तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश के कुछ छात्र पीआईएसए परीक्षा में शामिल हुए। इसमें हमारा प्रदर्शन बहुत खराब रहा। उस परीक्षा में भाग लेने वाले 74 देशों में से 73वें स्थान पर रहे, केवल कजाकिस्तान से आगे रहे। उसके बाद हमने इस परीक्षा में कभी भाग नहीं लिया। इस प्रदर्शन पर बहुत सी टिप्पणियां हुई और परीक्षा के तरीके पर भी प्रश्न चिन्ह लगे, लेकिन वास्तविकता ये है कि विश्व को राह दिखाने वाला भारतवर्ष आज गणित के क्षेत्र में अव्वल नहीं है। 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के दूसरे अध्याय : बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान' में भी इस पहलू पर चिंता जताते हुए कहा गया है कि, 'विभिन्न सरकारी, साथ ही गैर सरकारी सर्वेक्षणों से ये संकेत मिलता है कि हम वर्तमान में सीखने की एक गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। वर्तमान में प्राथमिक शिक्षा में बड़ी संख्या में शिक्षार्थियों ने, जिनकी अनुमानित संख्या 5 करोड़ से अधिक है, बुनियादी संख्या ज्ञान भी नहीं सीखा है। अर्थात ऐसे बच्चों को अंकों के साथ बुनियादी जोड़ और घटाव करने की क्षमता भी नहीं है।' आंकड़ों के अनुसार राष्ट्र के कक्षा 3 के लगभग 72 फीसदी बच्चे सरल घटाव भी नहीं कर सकते और हिमाचल प्रदेश में यह आंकड़ा लगभग 67 फीसदी है। और ये वास्तविकता भी हमें स्वीकार करनी होगी कि नई पीढ़ी का गणित के प्रति रुझान कम होता जा रहा है और जो विज्ञान के अन्य विषयों में कुछ करना चाहते हैं, उनका गणितीय ज्ञान भी कामचलाऊ है। अब प्रश्न ये उठता है कि इस अवनति के कारण क्या हैं? कुछ शिक्षाविद सरकारी नीतियों को इसका जिम्मेवार ठहराते हैं तो कुछ अध्यापकों पर दोषारोपण करते हैं। लेकिन सत्यता ये है कि न तो कभी गणित को गणित की तरह सिखाने का प्रयास हुआ और न ही समाज ने शिक्षार्थी के अवचेतन मन पर इसकी आवश्यकता का सकारात्मक प्रभाव डाला। अगर हम पहले पहलू की बात करें तो हमको ये बात स्वीकार करनी होगी कि गणित में रट्टा नहीं हो सकता, क्योंकि ये एक गतिविधि आधारित विषय है, जिसका उद्देश्य मानव मस्तिष्क का गनीतीकरण करना है, और ऐसे विषय को सीखने के लिए स्वयंसिधम, उचित मार्गदर्शन, उचित गणितीय प्रयोगशाला और नवीनतम शिक्षण सहायक सामग्री का समन्वय जरूरी है। वर्तमान में विद्यालय स्तर पर बुनियादी सुविधाओं का अभाव इस विषय के शिक्षण के लिए बिल्कुल भी नहीं है, लेकिन शिक्षण में गणितीय प्रयोगशाला और नवीनतम शिक्षण सहायक सामग्री के सामंजस्य को बनाने के लिए शिक्षक ही प्रशिक्षित नहीं है। और इस अभाव का सीधा असर शिक्षार्थी की रुचि को प्रभावित करता है और गणित जैसा विषय उनके लिए एक चुनौती बन जाता है। अगर दूसरे पहलू की बात करें तो समाज में शिक्षार्थी के मन में गणित के प्रति एक ऐसा भय डालने की परम्परा बना ली है कि बाल्यावस्था से ही बच्चे का अवचेतन मन इस विषय में रुचि बनाने को तैयार ही नहीं होता। रसूखदार और कामयाब लोगों की गणित के प्रति नकारात्मक टिप्पणियां इसका स्पष्ट उदाहरण है, जो बच्चे के मन को गणित की ओर झुकाव न रखने के लिए काफी है। गणित बच्चे के आंतरिक संसाधनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जिससे विचारों की स्पष्टता, तार्किक निष्कर्षों तक पहुंचने की कला और कार्य करने की तीव्र व सटीक विधियों का विकास होता है। विद्यालय स्तर पर जहां विषय सिर्फ पाठ्यचर्चा को समय पर समाप्त करने तक सीमित रह गया है, वहीं बड़े बड़े कोचिंग संस्थान भी बच्चों को सवाल हल करने के तरीके तो बता रहे हैं।

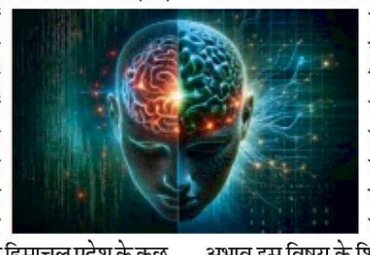

प्राचीन काल में भी गणित का स्थान सभी प्रकार के ज्ञान-विज्ञानों में सर्वोपरि रहा। वेदांग ज्योतिष में कहा भी गया है, 'यथा शिखा मयूराणाम नागानां मणयो यथा', तथा 'वेदांग शास्त्राणाम गणितम मुर्ध्रीं स्थितं', अर्थात जिस प्रकार मोरों में शिखा और नागों में मणि का स्थान सबसे ऊपर है, उसी प्रकार सभी वेदांग और शास्त्रों में गणित का स्थान सबसे ऊपर है। भारतवर्ष के लिए गर्व की बात यह है कि बारहवीं सदी तक गणित के क्षेत्र में किए गए अधिकतर महत्वपूर्ण कार्य भारतीय गणितज्ञों की खोजों पर ही आधारित थे। लेकिन वर्तमान में स्थितियां बहुत अलग हैं। वर्ष 2009-10 में भारत ने पहली बार आधुनिक अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन में भाग लिया जिसमें गणित के कौशल का भी मूल्यांकन हुआ और इस परीक्षा में तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश के कुछ छात्र पीआईएसए परीक्षा में शामिल हुए।

आप का नजरीया

परीक्षा के खिलाड़ी

शुक्र यह कि शिमला में परीक्षा के दो खिलाड़ी पकड़े गए, वरना परीक्षा दिलाने की प्रतिभा का आयात हिमाचल में भी होने लगा है। मथुरा और हरियाणा की प्रतिभाओं ने परीक्षा को चुराने की कोशिश में व्यवस्था का इम्तिहान ले लिया। पहले एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय भर्ती और फिर दूसरा जूनियर सैक्ट्रिएट असिस्टेंट परीक्षा में किराए के परीक्षार्थियों ने अपनी कला के चमत्कार को जेल पहुंचा दिया। गनीमत यह है कि परीक्षा की निगरानी में सख्त आंखों ने फिंगर प्रिंट के आधार पर दोनों शातिरों को पकड़ लिया, लेकिन इन मामलों ने आंखें खोलकर ऐसे इम्तिहानों तक पहुंचे अपराध की चेतावनी दी है। परीक्षाओं की मर्यादा न शिक्षा के स्तर को पहचान पा रही है और न ही काबिलीयत का सही मूल्यांकन कर रही है। कमोबेश हर परीक्षा के दायरे में कोई न कोई दैत्य खड़ा है। कहीं नौकरी की तलाश में 'पेपर लीक' का सदमा तो कहीं परीक्षा के प्रश्नपत्र का अपहरण या चीरहरण हो रहा है। कमोबेश सरकारी रोजगार के हर अवसर को चुराने की कोशिशों में युवाओं का ईमानदार विश्वास कांप रहा है। इस अन्याय के तमाम सबूत होते हुए भी कोई राज्य या केंद्र सरकार कम से कम यह गारंटी नहीं दे रही है कि सारी चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी होगी। हिमाचल प्रदेश का रिकार्ड भी अब विभिन्न भर्ती घोटालों की जद में अपाहिज व अप्रमाणित मौत की तरह देखा जा रहा है। हमीरपुर स्थित अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को अपनी विश्वसनीयता फिर से साबित करने की चुनौती है तो सरकारी रोजगार की वचनबद्धता में सरकार को इस दिशा में कड़ी निगरानी कायम करनी होगी। अतीत में पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले ने हिमाचल के हजारों प्रत्याशियों के मन में आशंका, कुंठा और अविश्वास के कई कारण पैदा कर दिए हैं। ऐसे में पुनः पुलिस कांस्टेबल भर्ती का आगाज अगर यही विभाग करने जा रहा है, तो सरकार को इस फैसले पर पुनर्विचार करना होगा। रोजगार के बाजार में कई तरह के रास्ते खोजे जा रहे हैं, फिर भी युवाओं के आदर्शों में हिमाचल को अपनी शिक्षा का ढर्रा और कर्म की परिभाषा सुदृढ़ करनी होगी। सरकारी नौकरी का सपना विस्फोटक स्थिति में अवसर खोजते-खोजते या तो गलत गलबहियां कर रहा है या असामान्य ढंग से इस मोर्चे को फतह करना चाहता है। दूसरी ओर निजी क्षेत्र की क्षमता में पैदा हो रहा रोजगार भविष्य का सेतु है, लेकिन हिमाचल में इसे कोई स्थायी रूप से लांघना नहीं चाहता। हिमाचल में निजी निवेशक के लिए उपयुक्त मानव संसाधन की आपूर्ति एक टेढ़ी खीर की तरह रही है। सरकारी नौकरी बनाम निजी रोजगार की पैमाइश में भले ही उपयुक्त व क्षमतावान प्रत्याशियों की कमी है, फिर भी हर कोई यही चाहता है कि उसे सार्वजनिक क्षेत्र में सुरक्षित व सदाबहार रोज

पंजाब के स्कूलों में 24 से 31 दिसंबर तक रहेंगी सर्दी की छुट्टियां

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने लगातार बढ़ती ठंड को देखते हुए 24 दिसंबर से 31 दिसंबर तक प्रदेश के सभी स्कूलों में सर्दी की छुट्टियों की घोषणा कर दी है। इसे लेकर शुक्रवार को राज्य सरकार ने आदेश जारी कर दिया है। शिक्षा सचिव कमल किशोर यादव की तरफ से जारी आदेश के अनुसार पंजाब में करीब 19 हजार सरकारी स्कूल हैं। पूरे राज्य में बढ़ती ठंड के मद्देनजर स्कूलों में छुट्टियों की जा रही हैं। इससे पहले 3 दिसंबर को शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी, एडेड, मान्यता प्राप्त व निजी स्कूलों के समय में बदलाव कर सुबह साढ़े नौ बजे से दोपहर साढ़े तीन बजे तक कर दिया था।

बीएसएफ ने फाजिल्का सेक्टर से बरामद की हेरोइन

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ ने बीती रात सर्च ऑपरेशन चलाकर फाजिल्का क्षेत्र से हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ प्रवक्ता के अनुसार एक सूचना के आधार पर पंजाब के फाजिल्का जिले में स्थित सीमावर्ती गांव पक्का चिश्ती में गश्त के दौरान ड्रोन घुसपैठ के बारे में पता चला। इसके बाद सर्च के दौरान बीएसएफ ने खेतों में से एक पीले रंग का पैकेट बरामद किया, जिसे पाकिस्तानी ड्रोन से गिराया गया था। जांच के दौरान इस पैकेट में से 530 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। बीएसएफ ने बरामद हेरोइन को जांच के लिए एफएसएल को भेज दिया गया है।

पुलिस संगठित अपराध और पेपरलीक के प्रकरणों में ठोस कार्रवाई करे : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि पुलिस सेवा में रहकर जनसेवा करना सौभाग्य की बात है। यह कार्य संवेदनशीलता एवं गुणवत्ता के साथ निष्पादित करना हर अधिकारी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि गत वर्षों में विभिन्न प्रकार के अपराधों में बढ़ोतरी हुई है। इसका राज्य की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। हमें राज्य की इस छवि को बदलना होगा। जनता का पुलिस में विश्वास फिर से सुदृढ करना होगा एवं अपराधियों में भय व्याप्त करना होगा। इसमें राज्य सरकार द्वारा आपको हर प्रकार का सहयोग दिया जाएगा। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में पुलिस अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपराध नियंत्रण तथा प्रदेश की कानून व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गृह विभाग तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सभी प्रकार के अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्षों में महिला उत्पीडन के मामले बड़े पैमाने पर राजस्थान में सामने आए हैं। इससे वीरों

एवं विभूतियों की यह भूमि शर्मसार हुई है। हमें मातृशक्ति की समुचित सुरक्षा कर प्रदेश का सम्मान एवं गौरव लौटाना है। यह हमारी मुख्य प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए विभाग सभी आवश्यक कदम उठाए एवं त्वरित व प्रभावी कार्यवाही करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेपरलीक कर युवाओं एवं उनके परिवारों की आशाओं पर कुठाराघात करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस प्रकार के अपराधों से युवाओं को अमानवीय यातना सहनी पड़ी है एवं उनका परिश्रम एवं पैसा व्यर्थ हुआ है। उन्होंने कहा कि इन मामलों की जांच के लिए गठित एसआईटी प्रभावी कार्यवाही करते हुए सभी दोषियों को सजा दिलाएगी एवं पेपरलीक के पीड़ित युवाओं को न्याय देगी। शर्मा ने पुलिस अधिकारियों को संगठित अपराध करने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में संगठित अपराध पूरी तरह समाप्त होना चाहिए। प्रदेशवासियों को गैंग्स के आतंक से मुक्ति मिलनी चाहिए। जेलों के अंदर से गैंग ऑपरेट करने की प्रवृत्ति पर भी पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में गठित टास्क फोर्स गैंग्स के समूल उन्मूलन का कार्य करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चाधिकारियों के आचरण का ही अनुसरण विभाग के अन्य कार्मिक करते हैं। उच्चाधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वह अपने कर्तव्यों का शुद्ध अन्त:करण के साथ निर्वहन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलेगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट आचरण करने वालों के साथ-साथ उनका सहयोग व बचाव करने वालों को भी नहीं बख्शा जाएगा।

तरनतारन में मुठभेड़ के बाद साथी समेत गैंगस्टर गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के तरनतारन में पुलिस ने बीती रात एनकाउंटर करके एक गैंगस्टर व उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया। गैंगस्टर को घायल अवस्था में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार देर रात सूचना मिली थी कि राजू शूटर अपने साथी समेत बाइक पर सवार होकर किसी वारदात को अंजाम देने लिए इलाके में घूम रहा है। इसके बाद गुरुद्वारा बीड़ साहिब से गांव कसेल को जाने वाली सड़क पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान बाइक पर सवार दो लोगों को रुकने का इशारा किया गया। दोनों ने पुलिस पर चार गोलियां दागी। इस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक को दो गोलियां लगी। इसके बाद पुलिस ने गांव संघा निवासी चरणजीत उर्फ राजू शूटर तथा उसके साथी गांव इब्बन निवासी परमिंदरदीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गैंगस्टर राजू शूटर पर आठ मामले दर्ज हैं। उसने दो माह पहले गांव धोटीया में सरकारी बैंक लूटने में विफल रहने पर पंजाब पुलिस के एएसआई बलविंदर सिंह को गोली मारकर घायल कर दिया था। डीएसपी तरसेम मसीह के अनुसार मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गाड़ी पर भी 2 गोलियां लगी हैं, जबकि दो पुलिस कर्मचारी बाल-बाल बचे हैं।

विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ इंडिया गठबंधन ने किया प्रदर्शन

हिसार (हिंस)। विपक्ष के 146 सांसदों के निलंबन के खिलाफ मोदी सरकार की घेराबंदी करते हुए विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए में शामिल दलों ने लघु सचिवालय के बाहर शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया तथा राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस जिला प्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश ने सरकार पर संसद में विपक्ष की आवाज कुचलने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता अपने हाथों में विपक्षी सांसद निलंबित, लोकतंत्र निष्कासित, संसद बंदी और लोकतंत्र बचाओ जैसे संदेश लिखे पोस्टर व बैनर हाथों में थामे हुए थे। इस अवसर पर जयप्रकाश ने कहा कि लोकतंत्र में बोलना व सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, जिम्मेदारी भी है। सत्ता के दम पर सरकार जितना भी कुचलने की कोशिश करें लेकिन विपक्षी दल लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई हर कीमत पर लड़ेंगे। उन्होंने संसद की सुरक्षा में हुई सेंधमारी को लेकर पीएम और गृह मंत्री द्वारा सत्र के दौरान बाहर बयान देने को संसदीय विशेषाधिकार का उल्लंघन करार दिया और कहा कि दोनों बाहर बोलते रहे मगर सदन में नहीं आए। संसद की सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा ना करके ये सरकार सांसदों को संसद की सुरक्षा के मुद्दे पर सवाल पूछने पर 142 विपक्षी सांसदों को निलंबित करके पूरी दुनिया में भारत के लोकतंत्र को कलंकित और हत्या करने का काम कर रही है। प्रदर्शन में इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया जिनमें पूर्व मंत्री संपत सिंह, किसान सभा प्रधान शमशेर सिंह नंबरदार, कामरेड दिनेश सिवाच, कामरेड सुरेश कुमार, जनवादी महिला समिति प्रधान शकुंतला जाखड़, कांग्रेस लीगल सेल अध्यक्ष लाल बहादुर खोवाल, सेवानिवृत आईएएस चंद्रप्रकाश जांगड़ा, हांसी नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, अमर गुप्ता, जेपी ज्याणी सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

महिला समाज ने किया प्रामाणिकता का सम्मान

उदयपुर (हिंस)। हमारे समाज में हमारे ही आसपास ऐसे कई लोग होते हैं जिनसे हम निरंतर सम्पर्क में रहते हैं, लेकिन हमें इनकी निष्ठावान सेवाओं का भान नहीं हो पाता। इनमें दुकानदार भी शामिल होते हैं तो कॉलोनियों में नियमित रूप से आने वाले रेहड़ी वाले भी। धीरेकृधीरे वे अपने व्यवहार और प्रामाणिकता से हमारे मन में स्थायी जगह बना लेते हैं। ऐसे ही व्यापारियों की प्रामाणिकता को सम्मान देने की शुरुआत की है उदयपुर की महिला समाज सोसायटी ने। इसके तहत आयोजित पहले कार्यक्रम में अम्बामाता क्षेत्र के दो लोगों का सम्मान किया गया जिनमें एक स्टोर संचालक हैं तो दूसरे फल विक्रेता। महिला समाज सोसायटी ने नववर्ष के अपने आयोजन में दोनों को प्रामाणिकता सेवा सम्मान प्रदान किया। महिला समाज सोसायटी की अध्यक्ष माया कुंभट ने बताया कि करीब 30 सालों से प्रामाणिकता से कार्य करने वाले अभिनंदन स्टोर के मनोज पीतलिया तथा फल विक्रेता ललित जोशी को प्रामाणिकता सेवा सम्मान प्रदान किया गया।

राजस्थान में पैर पसार रहा कोरोना, छह नए संक्रमित मिले, दौसा में एक की मौत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के विभिन्न जिलों में अब कोरोना दोबारा पैर पसार रहा है। प्रदेश में शुक्रवार को 683 सैम्पल्स की जांच में 6 नए पॉजिटिव सामने आए। जबकि, दौसा जिले में एक संक्रमित की मौत हो गई। चिकित्सा विभाग ने कोरोना के दोबारा बढ़ते मामलों के मद्देनजर स्टेट कोविड मैनेजमेंट टीम का गठन किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कोविड-19 के नए वेरिएंट को लेकर पूरी तरह सतर्कता बरतने के निर्देश दिए है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन बेड और दवाइयां की समुचित व्यवस्था करने को कहा है। चिकित्सा विभाग की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार राजस्थान के दौसा में एक कोरोना पॉजिटिव मरीज की मौत हो गई है। चिकित्सा अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार दौसा के मरीज बाबूलाल मीना (48 वर्ष) को 4 दिसंबर को जयपुर के टीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें 14 दिसंबर को छुट्टी दे दी गई। हालांकि, उन्हें 19 दिसंबर को फिर से भर्ती कराया गया। जब उनका कोरोना टेस्ट किया गया तो वे पॉजिटिव आए और उसी दिन उनकी मृत्यु हो गई। प्रदेश के विभिन्न जिलों में शुक्रवार को की गई 683 सैम्पल्स की जांच में जयपुर में तीन, अलवर, धौलपुर और जोधपुर में एक-एक नया संक्रमित सामने आया। इन्हें मिलाकर अब प्रदेश में कोरोना के 10 सक्रिय मामले है। इन पेशेंट के सैंपल्स जीनोम सीक्वेंस के लिए भेजे गए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने एक आदेश जारी कर प्रदेश में स्टेट कोविड मैनेजमेन्ट टीम का गठन किया है। शुभ्रासिंह ने बताया कि केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में कोविड केसेज की संख्या में वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए राजस्थान में कोविड प्रबंधन के लिए यह टीम गठित की गई है। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त शिवप्रसाद नकाते को कमेटी का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्रबंधक निदेशक आरएमएससीएल अनुपमा जोरवाल, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. गौरव सैनी, अति. निदेशक ग्रामीण स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, एसएमएस अस्पताल की वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. भारती मल्होत्रा, आईडीएसपी के स्टेट नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीण असवाल, आरयूएचएस के डॉ. अजीत सिंह एवं राजमेस की उप निदेशक डॉ. वंदना शर्मा कमेटी के सदस्य होंगे। यह कमेटी कोविड-19 की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए राज्य में आवश्यक गतिविधियां सम्पादित करेगी।

विपक्ष की आवाज दबा रही सरकार : उदयभान

फरीदाबाद (हिंस)। विपक्ष के 146 सांसदों के निलंबन के विरोध में शुक्रवार को कांग्रेस जिला मुख्यालय सेक्टर-12 फरीदाबाद पर प्रदेश अध्यक्ष उदयभान के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस सरकार ने देश में अघोषित इमरजेंसी लगा रखी है। यह सरकार विपक्ष की आवाज को कुचलने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि विपक्ष के 146 सांसद सस्पेंड कर दिए जाते हैं। सरकार ने संसद की सुरक्षा को लेकर जवाब देने की बजाए उल्टा विपक्ष के सांसदों को ही सस्पेंड कर दिया। 22 साल पहले भी बीजेपी की सरकार के दौरान संसद पर हमला हुआ था। साथ ही सरकार से सवाल पुछते हुए उन्होंने कहा कि क्या संसद सदस्य संसद में भी अपनी बात नहीं पूछ सकता है, क्यों सरकार अपनी जवाबदेही से भाग रही है? चौधरी उदयभान ने कहा कि विपक्षी सांसदो ने संसद पर हमले के संबंध में जवाब माँगने पर बदले में सांसदों को निलंबन का सामना करना पड़ा है।

राजस्थान / पंजाब / हरियाणा / जम्मू

राहुल गांधी से बातचीत के बाद नीतीश ने तेजस्वी को बुलाकर की मुलाकात

मंत्रिमंडल विस्तार पर बन सकती है सहमति

पटना (हिंस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का फोन आने के बाद बिहार में सत्ताधारी दल के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तेजस्वी यादव को बुलाकर उनसे मुलाकात की। दोनों के बीच आधे घंटे बातचीत हुई। माना जा रहा है कि बिहार मंत्रिमंडल विस्तार सहित सीटों के बंटवारे पर चर्चा हुई है। बिहार में जबसे महागठबंधन आकार में आया है तबसे मंत्रिमंडल विस्तार का मामला अटका हुआ है। अगस्त 2022 में नीतीश कुमार ने राजग से नाता तोड़कर महागठबंधन की सरकार बनाई थी। इसके बाद से ही कांग्रेस लगातार मंत्रिमंडल विस्तार की मांग कर रही है। कांग्रेस ने सरकार में मंत्रियों की संख्या बढ़ाए जाने को लेकर कई बार मांग की है। यहां तक कि खुद राहुल गांधी ने भी कुछ महीने पूर्व लालू यादव और नीतीश कुमार से इस मुद्दे पर बात की थी। माना जा रहा है कि

बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कांग्रेस जल्द से जल्द इस मुद्दे को हल करना चाहती है। इसीलिए राहुल गांधी ने संभवत: नीतीश कुमार से इस मुद्दे पर बात की है। उनके फोन आने के बाद अब नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की मुलाकात हुई। इतना ही नहीं राजद में भी मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चर्चा चल रही है। राजद के मंत्री कार्तिक सिंह उर्फ मास्टर भूमिहार जाति से हैं और राजद के बिहार प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे सुधाकर सिंह राजपूत बिरादरी से आते हैं। इन दोनों को मंत्री पद अलग-अलग वजहों से छोड़ना पड़ा था। तब से ही यह चर्चा जोरों पर है कि राजद इन दोनों जातियों के नेताओं को मंत्रिमंडल में उचित प्रतिनिधित्व कब देगी?

भागलपुर में सरसंघचालक की सुरक्षा भेदकर शख्स ने दिया बुके, डीएसपी ने दबोचा

पटना (हिंस)। राज्य के भागलपुर स्थित ऐतिहासिक महर्षि में हीं कुप्पा घाट आश्रम पहुंचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के साथ शुक्रवार को कुछ ऐसा हुआ, जिससे उनकी जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए। दरअसल, मोहन भागवत की जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा को भेदते हुए एक शख्स ने उन्हें बुके थमा दी। संघ प्रमुख ने भी मुस्कराकर बुके स्वीकार किया। इस घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। हालांकि, शख्स के इरादे नेक थे। इस वजह से सरसंघचालक को अधिक समस्या नहीं हुई है। फिर भी चूक का एहसास होते ही सिटी डीएसपी ने उसे रोका और पकड़ लिया। साथ ही उसे संघ प्रमुख के पास से अलग कर बरारी पुलिस के हवाले कर दिया। प्रारंभिक पूछताछ में शख्स की पहचान मुन्ना बाबा उर्फ गांधी के रूप में हुई है। वह कोतवाली तातारपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

नक्सलियों ने झारखंड में रेल पटरी को उड़ाया

रांची (हिंस)। प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के नक्सलियों ने गुरुवार रात करीब 11 बजे गोइलकेरा और पोसैता स्टेशन के बीच बम विस्फोट कर रेल पटरी को उड़ा दिया। इससे चक्रधरपुर रेल मंडल के हावड़ा-मुंबई मुख्य रेलमार्ग में ट्रेनों का परिचालन ठप हो गया है। इसके बाद ऐहतियातन शालीमार-कुर्ला अप एक्सप्रेस ट्रेन(18030) को गोईलकेरा स्टेशन में रोक दिया गया। प्रतिबंधित नक्सली संगठन ने 22 दिसंबर को भारत बंद का आह्वान किया है। बंद शुरू होने से पहले ही नक्सलियों ने चक्रधरपुर रेल मंडल के गोइलकेरा और पोसैता रेलवे स्टेशनों के बीच पोल संख्या 356/29ए और 31ए के बीच थर्ड लाइन में विस्फोट कर रेल पटरी को उड़ा दिया। नक्सलियों ने इस स्थान को बैनर और पोस्टरों से पाट दिया है। इस विस्फोट की जानकारी इस रेल खंड की दूसरी लाइन से गुजर रही एक मालगाड़ी के क्रू और गार्ड ने नजदीकी स्टेशन को दी गई। इसके बाद चक्रधरपुर रेल मंडल में हड़कंप मच गया। इसके बाद फौरन मार्ग में ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया है। सीनियर डीसीएम गजराज सिंह ने कहा की सूचना मिलते ही समूचे रेल मंडल में ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया । सुरक्षाबल की टीम को मौके पर भेजा गया। डीआरएम एजे राठौड़ ने तड़के चार बजे के बाद कहा कि अब तक ट्रेनों का परिचालन बहाल नहीं हो पाया है। चक्रधरपुर राउरकेला सरंडा पैसेंजर स्पेशल का परिचालन रद कर दिया गया है । रेलवे के अधिकारियों के अनुसार विस्फोट की सूचना मिलने के बाद 18478 -योगनगरी ऋषिकेश पूरी उत्कल एक्सप्रेस, 12905-पोरबंदर शालीमार एक्सप्रेस, 18006-जगदलपुर हावड़ा एक्सप्रेस,12102-शालीमार एलटीटी एक्सप्रेस, 12129-पुणे हावड़ा एक्सप्रेस, 12810- हावड़ा सीएसएमटी एक्सप्रेस, 12222-हावड़ा पुणे एक्सप्रेस, 12151-एलटीटी शालीमार एक्सप्रेस और 12130-हावड़ा पुणे एक्सप्रेस को नजदीकी स्टेशनों पर रोक दिया गया।

कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने की उच्चस्तरीय बैठक

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने देश कई राज्यों में बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए शुक्रवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कोरोना की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाल में ओमिक्रॉन परिवार का जेएन.1 वेरिएंट के कई मामले देश में मिले हैं। बिहार में भी कोरोना के दो ऐसे मामले आए हैं, जो राज्य में बाहर से आए लोगों में मिला है। उन्होंने बताया कि यह वेरिएंट बहुत घातक नहीं है। कोरोना के पाए गए दोनों मरीज होम आइसोलेशन में हैं और स्वस्थ हैं। स्वास्थ्य विभाग कोरोना के इस नये वेरिएंट के प्रति पूरी तरह सतर्क है और इसके बचाव के लिए सभी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं।

2030 तक जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ देगी भारत की जीडीपी : प्रो. निशाकांत ओझा

आईआईएमटी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

मेरठ (हिंस)। आर्थिक विशेषज्ञ प्रो. निशाकांत ओझा ने कहा कि भारत वर्तमान में नॉमिनल टर्म में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वर्ष 2022 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार ब्रिट्रेन और फ्रांस की जीडीपी से बड़ा हो चुका था। विभिन्न आकलनों के अनुसार वर्ष 2030 तक भारत की जीडीपी जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ देगी। आईआईएमटी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कामर्स एंड मैनेजमेंट के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुक्रवार को समापन हो गया। प्रो. निशाकान्त ओझा ने कहा कि रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि भारत की नॉमिनल जीडीपी वर्ष 2022 में 3.4 ट्रिलियन अमेरीकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2030 तक 7.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो जाएगी। समापन सत्र प्रो. ब्रजेश कुमार ने प्रस्तुत किया। मंच संचालन डॉ. स्वेता रस्तोगी एवं डॉ. प्रियंका राणा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. देशदीपक अग्रवाल रहे। कार्यक्रम में रंजना सिंह, डॉ. रश्मि, डॉ. प्रभा, डॉ. पूजा रस्तौगी

आदि उपस्थित रहे। डीन डॉ. सतीश कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

SITUATION VACANT

FOR EX-SERVICEMEN OF ASSAM
(ARMY, NAVY & AIR FORCE)

1. Following vacant post in the Directorate of Sainik Welfare, Assam is being filled up :
   Account Assistant - (01) One
2. **The eligibility criteria is as under :-**

Eligibility Criteria	Qualitative requirements	Remarks
Ex-Servicemen	(a) Ex-Servicemen with Clerical/Accounts handling knowledge. (b) Should be in possession of proficiency certificate for office management. (c) Sound knowledge in computers (MS Office) (d) **Medical Category** — Acceptable upto P2 & equivalent. (e) Willing to work in any districts of the State.	**1. Age.** Not more than 50 years as on 01 Jan 2023.
Pay Band	Basic Pay 14,000-70,000/- + Grade Pay 6,200/-	
Place of posting	Appointment will be against the vacant post at Directorate of Sainik Welfare, Assam. All posts are transferrable within the rules. The selected individual may be transferred to any district in the interest of organisation, which will be binding.	
Submission of Application.	1. Bio-data forms are available with all ZSWOs. 2. Personal Application alongwith Bio-Data duly completed in all respect together with copies of Identity card, Discharge Book, PPO & Proficiency Certificates including latest mobile No & email ID to be submitted to the following address:- The Director Directorate of Sainik Welfare House No 74, Sainik Bhawan, P.O. Lachit Nagar, Guwahati - 781007 (Assam) Tele-0361-2522229, email ID- rsbassam@gmail.com	
Last date of Application	Applications should reach this Office on or before 06 January 2024.	
Rejection of applications	Applications of ineligible candidates or incomplete Bio-Data forms will be rejected without intimation to the applicant.	
Date of Interview	Date, Time and venue for Selection Test / Interview will be intimated separately to the eligible candidates only. No TA/DA will be admissible for attending the selection test/interview.	

Sd/-
Brig Dinesh Chandra Mazumdar (Retd),
Director,
Directorate of Sainik Welfare Assam, Guwahati

Janasanyog /D/15185/23

असम में कैबिनेट ने नियोजित शहरी विकास के लिए टाउनशिप पॉलिसी को दी मंजूरी, ये है मकसद

नई दिल्ली ।
असम में राज्य मंत्रिमंडल ने व्यवस्थित और नियोजित शहरी विकास सुनिश्चित करने के लिए राज्य टाउनशिप नीति को मंजूरी दे दी है। स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री केशव महंत ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि यह नीति संगठित तरीके से शहरी क्षेत्रों के विकास को विनियमित और निर्देशित करेगी, जिससे संसाधनों के शोषण में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि मंत्रिपरिषद ने व्यवस्थित और नियोजित शहरी विकास सुनिश्चित करने के लिए राज्य भर में कार्यान्वयन के लिए असम राज्य टाउनशिप नीति, 2023 की अधिसूचना को अपनी मंजूरी दे दी है। यह नीति सुनिश्चित करेगी कि सड़कों, स्वास्थ्य सुविधाओं और अन्य जैसी आवश्यक सेवाओं को निजी पूंजी निवेश के माध्यम से पर्याप्त रूप से नियोजित और कार्यान्वित किया जाए। परियोजनाओं के विनियमन और प्रोत्साहन के प्रावधानों के साथ टाउनशिप के भीतर किफायती आवास की आवश्यकता को भी संबोधित किया जाएगा। केशव महंत ने कहा, मंत्रिमंडल ने सार्वजनिक आपत्तियां और सुझाव प्राप्त करने के लिए महानगरीय क्षेत्र के भीतर गुवाहाटी सेंट्रल एरिया लोकल एरिया प्लान (एलएपी) के मसौदे को भी हरी झंडी दे दी। प्रस्तावित एलएपी का उद्देश्य बुनियादी सुविधाओं और खुले स्थानों के पुनर्विकास और उन्नयन के लिए प्रावधान करना, प्रत्येक भूखंड के लिए बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना और गुवाहाटी में शहरी भूमि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना है। मंत्रिमंडल ने केंद्रीय योजना - प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के ढांचे के अनुरूप मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (एमएमएवाई-जी) के कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देशों को भी मंजूरी दी। मंत्री ने कहा कि एमएमएवाई-जी का लक्ष्य 2023-24 में पीएमएवाई के समान राशि की सहायता से 1,30,000 पात्र लाभार्थियों को घर प्रदान करना है। चाय बागान श्रमिक लाइनों में 13,000 घरों का निर्माण किया जाएगा। मंत्रिपरिषद ने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में 13 जिलों में 1,540 भूमिहीन स्वदेशी परिवारों के पक्ष में भूमि मुद्दों को निपटाने का फैसला किया।उ मंत्रिमंडल ने राज्य भर में स्वदेशी परिवारों को भूमि के निपटारे, वार्षिक पट्टे को आवधिक पट्टा भूमि में बदलने और विभिन्न सरकारी संस्थानों को आवंटन के लिए 946 प्रस्तावों को भी मंजूरी दी।

न्यूज ब्रीफ

15 साल के शीर्ष पर पहुंच सकती है अपार्टमेंट बिक्री, बढ़ती कीमतों के बावजूद मांग बरकरार

नई दिल्ली । होम लोन की ब्याज दरों में वृद्धि और आवासीय संपत्तियों की बढ़ती कीमतों के बावजूद देश के सात प्रमुख शहरों में अपार्टमेंट की बिक्री 2023 में 15 वर्ष के उच्च स्तर पर पहुंच सकती है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी जेएलएल इंडिया की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल अपार्टमेंट की बिक्री 20 फीसदी बढ़कर 2.6 लाखइकाईपहुंच सकती है। बिक्री का यह आंकड़ा 2008 के बाद से सबसे अधिक होगा। पिछले साल सात प्रमुख शहरों दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, बंगलूरू और पुणे में 2,15,621 अपार्टमेंट बिके थे। जेएलएल इंडिया ने कहा, 2023 के पहले नौ महीनों में अपार्टमेंट की बिक्री 1,96,227 इकाई रही है। 2022 की समान अवधि में देश के सात प्रमुख शहरों में कुल 1,61,575 अपार्टमेंट बिके थे।मुंबई में मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे व नवी मुंबई को शामिल किया गया है। जेएलएल के भारत में अनुसंधान प्रमुख व मुख्य अर्थशास्त्री सामंतक दास ने कहा, 2023 में 2.80 लाख अपार्टमेंट लॉन्च किएजा सकते हैं।अगले साल बिक्री 2.90 लाख से तीन लाख इकाई के बीच रहने की उम्मीद है। आंकड़े बताते हैं कि कीमतों में उछाल के बावजूद मांग मजबूत बनी हुईहै।इससे घरेलू आवासीय श्रेणी में धारणा सकारात्मक बनी हुई है।मकान खरीदारों का रवैया भी उत्साहजनक है। एचडीएफसी कैपिटल समर्थित रेलॉय के संस्थापक अखिल सर्राफ ने कहा, हाल के वर्षों में रियल्टी उद्योग में परिवर्तन आया है।

क्रिसमस से पहले सोना और चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 62,700 रुपये और चांदी के वायदा भाव 75,700 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 281 रुपये की तेजी के साथ 62,784 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 246 रुपये की तेजी के साथ 62,749 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 140 रुपये की तेजी के साथ 75,763 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 274 रुपये की तेजी के साथ 75,700 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 20,61.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,051.30 डॉलर था। फिलहाल यह 9.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,060.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 24.70 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 24.58 डॉलर था। फिलहाल यह 0.11 डॉलर की तेजी के साथ 24.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

52-सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंचे एलआईसी के स्टॉक

नई दिल्ली। देश की सरकारी इंश्योरेंस कंपनी जीवन बीमा निगम के शेयर तेजी के साथ ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी के शेयर 7 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। बीते दिन सरकार ने एलआईसी को 10 साल के भीतर 25 फीसदी एमपीएस हासिल करने की छूट दी है। बीएसई पर कंपनी के स्टॉक 7.25 फीसदी की तेजी के साथ 820.05 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा है। कंपनी के शेयर 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई पर कंपनी के शेयर 7.39 प्रतिशत चढ़कर 821 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा है। खबर लिखते वक्त एलआईसी के शेयर 35.25 अंक या 4.61 फीसदी की तेजी 799.75 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा था। सरकार ने एलआईसी 10 साल के भीतर 25 फीसदी एमपीएस हासिल करने की छूट दी है। आपको बता दें कि एलआईसी देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी है। कंपनी के शेयर पिछले साल मई 2022 में सूचीबद्ध हुई थी। सरकार ने आईपीओ के माध्यम से एलआईसी के 3.5 फीसदी की हिस्सेदारी बेची थी। इस हिस्सेदारी में कंपनी ने 22.13 करोड़ से अधिक शेयर बेचे थे। एलआईसी में सरकार की 96.5 फीसदी हिस्सेदारी है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में, एलआईसी ने कहा कि आर्थिक मामलों के विभाग ने एलआईसी को लिस्टिंग की तारीख से 10 साल के भीतर यानी मई 2032 तक 25 प्रतिशत एमपीएस हासिल करने के लिए एकमुश्त छूट देने का फैसला किया है।

गेहूं-चावल और चीनी पर प्रतिबंध से 43,000 करोड़ घट सकता है निर्यात

नई दिल्ली ।

गेहूं, चावल और चीनी के व्यापार पर प्रतिबंध लगाने के बाद इस साल भारत के निर्यात में लगभग 43,000 करोड़ रुपये तक की कमी आ सकती है। साथ ही, लाल सागर मार्ग पर हमलों से बासमती चावल के निर्यात पर भी असर पड़ सकता है। दुनिया में गेहूं, चावल और चीनी के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक, भारत ने बढ़ती घरेलू कीमतों पर लगाम लगाने के लिए इन वस्तुओं के निर्यात को प्रतिबंधित कर दिया है।

सूत्रों के मुताबिक, अगर यमन के हूती समूह के हमले जारी रहते हैं तो भारत सरकार बासमती चावल के निर्यात के लिए अफ्रीका के साथ एक वैकल्पिक मार्ग पर विचार कर सकती है। हालांकि, इससे कीमतें भी 15 से 20 फीसदी तक बढ़ सकती हैं। वैकल्पिक मार्ग भारत के मिस्र व यूरोप को होने वाले लंबे चावल के निर्यात को भी प्रभावित कर सकता है। वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल का कहना है कि लाल सागर मार्ग पर हमलों से वैश्विक व्यापार प्रभावित होगा। इसका असर भारत के बासमती चावल के निर्यात पर भी पड़ सकता है। चीनी, गेहूं, चावल पर रोक के कारण 43,000 करोड़ रुपये की कमी के बावजूद हम पिछले वर्ष जितना निर्यात करने में सक्षम होंगे।

तो चार फीसदी से अधिक बढ़ रहा है निर्यात

अग्रवाल ने कहा, वैश्विक चुनौतियों की वजह से भारत को निर्यात के मोर्चे पर मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।फिर भी, उम्मीद है कि अन्य कृषि वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि से इस साल निर्यात घाटे की भरपाई हो सकेगी।

53 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है कृषि निर्यात

चावल, गेहूं और चीनी सहित कुछ प्रमुख वस्तुओं के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद चालू वित्त वर्ष में भारत का कृषि निर्यात पिछले साल के 53 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। सरकार केले और मोटे उत्पादों को नए वैश्विक गंतव्यों पर निर्यात को बढ़ावा दे रही है। अगले तीन साल में केला का निर्यात एक अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है।

फलों व सब्जियों में दर्ज की गई बढ़ोतरी

इस साल अप्रैल से नवंबर के बीच मांस और डेयरी, तैयार अनाज और फलों व सब्जियों के निर्यात में वृद्धि हुई है। हालांकि, चावल का निर्यात इस दौरान 7.65 फीसदी घटकर 6.5 अरब डॉलर रह गया है। (एग्रीकल्चरल एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी के आंकड़ों के अनुसार) है।

रुपया दो पैसे की तेजी के साथ 83.25 प्रति डॉलर

मुंबई । रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे की बढ़त के साथ 83.25 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू बाजारों में नरम रुख, विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और भू-राजनीतिक स्थिति के कारण कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ती अस्थिरता ने भारतीय मुद्रा की बढ़त सीमित की। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.25 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की बढ़त है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.27 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.52 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ 80.16 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

बीएनसीएपी क्रैश टेस्ट से गुजरने वाली देश की पहली कार होगी टाटा हैरियर

नई दिल्ली ।
टाटा हैरियर बीएनसीएपी क्रैश टेस्ट से गुजरने वाली देश की पहली कार होगी। बताया जा रहा है कि टाटा हैरियर के फेसलिफ्ट मॉडल का क्रैश टेस्ट बीएनसीएपी में दिसंबर के दौरान ही किया जाएगा। गौरतलब है कि इससे पहले हैरियर को जीएनसीएपी के क्रैश टेस्ट में 5 स्टार रेटिंग मिल चुकी है। हालांकि हैरियर के फेसलिफ्ट मॉडल को इसी साल सितंबर में इंडियन मार्केट में लॉन्च किया गया था। सवारी की सुरक्षा के लिए इसमें 7 एयरबैग (6 एयरबैग स्टैंडर्ड), हिल असिस्ट के साथ इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, 360 डिग्री कैमरा, और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) जैसे फीचर खासतौर से दिए गए हैं। इसमें एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) भी दिया गया है जिसके तहत अब इसमें अडेप्टिव क्रूज कंट्रोल फीचर भी उपलब्ध है। इसके इंजन की बात करें तो हैरियर फेसलिफ्ट में 2-लीटर डीजल इंजन दिया गया है जो 170 पीएस की पावर और 350 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

इंजन के साथ इसमें 6-स्पीड मैनुअल और 6-सपीड ऑटोमेटिक गियरबॉक्स का विकल्प रखा गया है। इसके मैनुअल वेरिएंट में 16.80 किलोमीटर प्रति लीटर और ऑटोमेटिक में 14.60 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज मिलता है। अपनी खुद की कार क्रैश टेस्टिंग एजेंसी रखने वाला भारत अब दुनिया का पांचवा देश हो गया है। इससे पहले अमेरिका, दक्षिण कोरिया, चीन और जापान में क्रैश टेस्ट किए जाते थे। वहीं भारत की गाड़ियों को जीएनसीएपी की ओर से ही टेस्ट किया जाता था। बीएनसीएपी क्रैश टेस्ट के दौरान कार का क्रैश टेस्ट किया जाएगा। इस दौरान इसमें फ्रंट इम्पैक्ट, साइड पोल इम्पैक्ट, साइड बैरियर इम्पैक्ट और इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल को जांचा-परखा जाएगा।

एनसीएलएटी ने जेट एयरवेज के विमानों की बिक्री पर पाबंदी लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने जेट एयरवेज के सफल समाधान आवेदक जालान कलरॉक कंसोर्टियम (जेकेसी) की उस याचिका को 22 दिसंबर को खारिज कर दिया जिसमें उसने एयरलाइन के विमानों की बिक्री को चुनौती दी थी। इन विमानों को माल्टा की ऐस एविएशन कंपनी को 400 करोड़ रुपये में बेचे जाने की उम्मीद है। कंपनी का दावा है कि उसने पहले ही 50 करोड़ रुपये जमा करा दिए हैं।

एनसीएलएटी के अनुसार, विमानों की बिक्री से एयरलाइन में किसी भी हितधारक के अधिकारों पर असर नहीं पड़ता है क्योंकि बिक्री से प्राप्त राशि एस्क्रो खाते में जमा की जाएगी। इससे प्राप्त राशि को बाद में समाधान योजना के अनुसार वितरित किया जाएगा।

वित्तीय लेनदारों, सफल समाधान आवेदक (जालान कलरॉक कंसोर्टियम) और समाधान पेशेवर के प्रतिनिधियों वाली निगरानी समिति में गतिरोध के कारण नवंबर 2022 में विमान बिक्री प्रक्रिया को रोक दिया गया था।

यह बात सामने आई कि एयरलाइन के कर्जदाता विमान की बिक्री के लिए सहमत थे, जबकि कंसोर्टियम और पूर्ववर्ती कर्मचारी इसके विरोध में थे।

विकासशील देशों को रेटिंग देने वाली पद्धतियों में सुधार करें एजेंसियां, पारदर्शी तरीके अपनाएं

नई दिल्ली ।
वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की ओर से रेटिंग देने के लिए उपयोग की जाने वाली पद्धतियां विकासशील देशों के खिलाफ बहुत ज्यादा हैं। उन्हें अधिक पारदर्शी बनाने के लिए रेटिंग प्रक्रिया में सुधार की तुरंत जरूरत है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन व वरिष्ठ सलाहकार राजीव मिश्रा की ओर से लिए गए एक लेख में यह बातें कही गईं हैं। लेख में यह कहा गया है कि ये विचार वित्त मंत्रालय के नहीं हैं।

लेख के अनुसार, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की ओर से अपनाए जाने वाले रेटिंग तंत्र में व्यक्तिपरक निर्णयों के बजाय अच्छी तरह से परिभाषित, मापने योग्य सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित करते हुए गंभीर सुधार की जरूरत है। लेख के मुताबिक, आने वाले दशकों में वैश्विक चुनौतियों से निपटने में निजी पूंजी की भूमिका होगी। ऐसे में विकासशील देशों के लिए कर्ज की लागत में थोड़ी सी कमी भी बहुत मददगार साबित होगी।इसके साथ ही, कर्ज लेने वाले देशों के लिए अरबों डॉलर बचाया जा सकता है।

सामूहिक जिम्मेदारी से परिचित है भारत - एक दूसरे लेख में लेखकों ने कहा, भारत अपनी सामूहिक जिम्मेदारी से परिचित है। उसने अपने एनडीसी (राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान) और नेट-शून्य 2070 घोषणा के माध्यम से महत्वाकांक्षी लक्ष्य उठाया है। भारत वैश्विक प्रतिक्रिया में किस हद तक योगदान कर सकता है, यह काफी

हद तक वित्त, क्षमता और टेक्नोलॉजी की समय पर पर्याप्त और उपयुक्त तरीके से उपलब्धता पर निर्भर है।

15 वर्षों से बीबीबी- पर स्थिर है भारत की रेटिंग - लेख में कहा गया है कि पिछले 15 वर्षों से भारत की रेटिंग बीबीबी- पर स्थिर है। इसके बावजूद यह 2008 में दुनिया की 12वीं सबसे बड़ी से 2023 में 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। इस अवधि के दौरान सभी समकक्ष देशों में दूसरी सबसे ऊंची विकास दर दर्ज की गई। कई देशों की ओर से सामना किए जा रहे कर्ज के बोझ और गैर-जलवायु संबंधित सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने व आर्थिक विकास की बहाली के लिए निवेश की जरूरत है।

सस्ता हुआ कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर, 19 किलो के सिलेंडर में 39.50 रुपये की कटौती

नई दिल्ली ।
कमर्शियल एलपीजी के 19 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमतों में प्रति सिलेंडर 39.50 रुपये की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 1757 रुपये होगी। बता दें कि बीती 1 दिसंबर को ही कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 21 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई थी। अब सरकार के इस कदम से रेस्तरां और होटल इंडस्ट्री को बड़ी राहत मिलेगी।

मुंबई, कोलकाता में भी बदली कीमत

मुंबई में 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1710 रुपये रहेगी। वहीं कोलकाता में 19 किलो के सिलेंडर की कीमत 1868.50 हो जाएगी। चेन्नई में यह कीमत 1929 रुपये होगी। बता दें कि राज्य स्तर पर टैक्स में अंतर के चलते कीमतों में यह बदलाव दिखता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस (सीपी) को एलपीजी की कीमतों के लिए बेंचमार्क माना जाता है। बीते हफ्ते सीपी ने बहुत ज्यादा सप्लाई के चलते एलपीजी के दामों में कमी की है। इसी के चलते घरेलू बाजार में भी कीमतों में गिरावट आई है।

सरकारी तेल कंपनियां करती हैं कीमतें तय

देश में सरकारी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड हर महीने की पहली तारीख को कुकिंग गैस की कीमतें तय करती हैं। यह कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतों को देखते हुए तय की जाती हैं।

घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

वहीं घरेलू एलपीजी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिसके बाद 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत 903 रुपये ही रहेगी। बता दें कि घरों की रसोई में घरेलू एलपीजी सिलेंडर का इस्तेमाल किया जाता है और होटल इंडस्ट्री और रेस्तरां आदि में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं देश में रिकॉर्ड 21वें महीने भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर है।

ग्रीन एनर्जी में 8,322 करोड़ इन्वेस्ट करेगा अडाणी फैमिलीः अडाणी ग्रीन एनर्जी विस्तार और फाइनेंशियल जरूरतों के लिए बॉन्ड्स जारी करेगी

नई दिल्ली। गौतम अडाणी और उनकी फैमिली अपनी ग्रीन एनर्जी यूनिट में 1 बिलियन डॉलर यानी करीब 8,322 करोड़ रुपए इन्वेस्ट करने की प्लानिंग कर रहा है। वहीं अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड अपना विस्तार और जरूरतों को रिफाइनेंस करने के लिए कंपनी के फाउंडर्स को प्रेफरेंशियल बॉन्ड्स जारी करने पर विचार कर रही है। इस बात की जानकारी मामले से जुड़े लोगों ने ब्लूमबर्ग को दी है। एक दिन पहले फाइलिंग में कंपनी की ओर से बताया गया कि फंड रेज करने के लिए शेयरों की बिक्री होगी या कन्वर्टिबल सिक्योरिटी में बदला जाएगा इसका फैसला कंपनी का बोर्ड 26 दिसंबर को करेगा। अडाणी की इस कंपनी ने 2030 तक 45 गिगावाट ग्रीन एनर्जी के लिए कैपेसिटी डेवलप करने का लक्ष्य रखा है। वहीं अगले साल इसके 9,987 करोड़ के बॉन्ड्स अब मैच्योर भी हो रहे हैं, जिन्हें चुकाने या रिफाइनेंस करने के प्लान की कंपनी ने रूपरेखा तैयार करना शुरू कर दिया है। कंपनी ने इसी महीने 8 बैंकों से लोन भी लिया है। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की दूसरी तिमाही का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 149 प्रतिशत बढ़कर 371 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने पिछले साल की समान तिमाही में 149 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। ऑपरेशंस से कंपनी का रेवेन्यू 40.2 प्रतिशत बढ़कर 2,220 करोड़ रुपए हो गया। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में ये 1,584 करोड़ रुपए रहा था।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से विदाई लेगा दक्षिण अफ्रीका का स्टार क्रिकेटर डीन एल्गर

नई दिल्ली।
दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान डीन एल्गर ने घोषणा कर दी कि भारत के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद वो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेंगे। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट 26 दिसंबर से सेंचुरियन में खेला जाएगा।

डीन एल्गर ने 2012 में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया और अब तक उन्होंने 84 टेस्ट में 13 शतक व 23 अर्धशतकों की मदद से 5146 रन बनाए। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 37.28 की औसत से रन बनाए। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने अपने बयान में कहा, एल्गर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत दो मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ करेंगे। पहला टेस्ट उनके होमग्राउंड सेंचुरियन में 26-30 दिसंबर तक खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट उस स्थान पर खेला जाएगा, जहां एल्गर ने अपने पहले टेस्ट रन बनाए यानी केप टाउन में न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड पर।

डीन एल्गर ने क्या कहा – 36 साल एल्गर ने अब तक आठ वनडे मैच खेले हैं। उन्होंने 2018 में अपना आखिरी सीमित ओवर मैच खेला था। डीन एल्गर ने कहा, 12 साल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सपना सच होने के बराबर है। यह शानदार यात्रा रही और मैं भाग्यशाली हूं कि इतना खेल पाया। जैसा कि कहा जाता है सभी अच्छी चीजों का अंत होता है। भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज मेरी आखिरी सीरीज होगी। मैंने अपने खूबसूरत खेल से संन्यास लेने का फैसला कर लिया है।

एल्गर का कप्तानी रिकॉर्ड – उन्होंने आगे कहा, क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया। केप टाउन टेस्ट मेरा आखिरी होगा। दुनिया में मेरा पसंदीदा स्टेडियम। वो जगह जहां मैंने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला टेस्ट रन बनाया और उम्मीद करता हूं कि आखिरी रन भी यही बनाऊंगा। एल्गर का दक्षिण अफ्रीका के कप्तान के रूप में सफर शानदार रहा। उनके नेतृत्व में 19 टेस्ट में प्रोटियाज ने 9 टेस्ट जीते। सात में दक्षिण अफ्रीका को हार मिली जबकि चार मैच ड्रॉ रहे।

दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट निदेशक ने क्या कहा – दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट निदेश इनोक एनकवे ने कहा, डीन एल्गर उन क्रिकेटरों में से एक हैं जो स्थिति के हिसाब से खुद को ढालते हैं और लड़ते हैं। मुझे कोई शक नहीं कि खेल को उनकी कमी खलेगी। उन्होंने हमेशा अपने देश के लिए सबकुछ दिया और कभी भय नहीं दिखाया, भले ही कोई भी विरोधी टीम हो। वो हमेशा चुनौती के लिए तैयार रहे।

न्यूज ब्रीफ

हॉकी कप्तान सविता का आलोचकों को जवाब, कहा- सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार सही दिशा का प्रमाण

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने कहा कि लगातार तीसरी बार अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुने जाने का मतलब है कि वह सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। लगातार तीसरी बार इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया। सविता ने कहा,'यह पुरस्कार मेरे लिए सकारात्मक ऊर्जा का काम करेगा। इससे यह पुष्टि हो गई है कि मैं सही दिशा में आगे बढ़ रही हूं। उन्होंने कहा,'टीम ने इस साल अच्छी फार्म बरकरार रखी है। अब हम 2024 की तरफ बढ़ रहे हैं और मेरा लक्ष्य अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखकर टीम को अगले महीने रांची में होने वाले हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर्स के जरिए ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने का सर्वश्रेष्ठ मौका देना है।' सविता ने अपनी सफलता का श्रेय पूरी टीम को दिया। सविता ने लगातार तीसरी बार इस खिताब को अपने नाम किया है। भारतीय गोलकीपर 2023 में शानदार लय में रही है। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैचों से लेकर हांगझोऊ एशियाई खेलों में उन्होंने लगातार प्रभावित किया। इस 33 साल की खिलाड़ी ने अक्तूबर में भारत में आयोजित एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई। विजेताओं का चयन एक विशेषज्ञ पैनल द्वारा किया जाता है जिसमें राष्ट्रीय संघ (राष्ट्रीय टीमों के कप्तान और कोच), मीडिया के प्रतिनिधियों के अलावा प्रशंसकों का मतदान शामिल होता है।

रेलवे की सोनिया लाठेर, तमिलनाडु की एस कलाइवानी ने विजयी शुरुआत की

ग्रेटर नोएडा (यूपी)। 2016 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड

(आरएसपीबी) की सोनिया लाठेर और तमिलनाडु की एस कलाईवानी ने 7वीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के शुरुआती दिन यहाँ शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। सोनिया ने 57 किग्रा के शुरुआती दौर के मैच में मध्य प्रदेश की माही लामा के खिलाफ आक्रामक शुरुआत की और 5-0 से आसान जीत हासिल की। पिछले संस्करण की रजत पदक विजेता कलाईवानी भी 48 किग्रा मैच में केरल के मिलानो एमजे के लिए बहुत मजबूत साबित हुईं। उसके लगातार हमले ने रेफरी को तीसरे दौर में मुकाबला रोकने और उसे विजेता घोषित करने के लिए मजबूर किया। कलाइवानी अब अगले दौर में हरियाणा की गितिका से भिड़ेंगी, जिन्होंने राउंड 1 (आरएससी) जीत में रेफरी द्वारा मुकाबला रोककर तेलंगाना की मेराज बेगम को हराया था। रिंकू (52 किग्रा) और तन्नु (57 किग्रा) हरियाणा की अन्य मुक्केबाज हैं जिन्होंने जीत दर्ज की और 16वें दौर में प्रवेश किया।

स्टोक्स-आर्चर फिट हुए तो टी20 विश्व कप खेलेंगे : कोच

तारोबा । ऑलराउंडर बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का 2024 टी20 विश्व कप में खेलना तय नजर आता है। टी20 प्रारुप के लिए इंग्लैंड की टीम के कोच मैथ्यू मोट ने कहा कि स्टोक्स और आर्चर मैच विजेता खिलाड़ी हैं और इनके रहने से अंतर पैदा होगा। इसलिए फिट होने पर इन दोनो को ही टीम में जगह मिलेगी। स्टोक्स के घुटने का नवंबर में ऑपरेशन हुआ था और उम्मीद जतायी जा रही है कि वह जून में होने वाले टी20 विश्व कप तक फिट हो जाएंगे। वहीं आर्चर कोहनी की चोट के कारण मार्च से ही खेल से दूर हैं। मोट ने इन दोनो की उपलब्धता को लेकर कहा, ' स्टोक्स प्रत्येक विभाग में मैच जिताने की काबिलियत मुहैया कराने के अलावा हमें शीर्ष छह में एक तेज गेंदबाज रखने का विकल्प देते हैं जिससे आपको टीम का संतुलन बनाने के लिए कई विकल्प मिल जाते हैं, इससे चयन भी आसान बन जाता है। इसलिये उन्हें शामिल करना जरुरी है। उन्होंने कहा, 'जहां तक आर्चर की बात है तो वह अपनी तेज रफ्तार से पारी में कोई भी ओवर डाल सकता है। वह सुपर ओवर डाल सकता है, इसके अलावा जरूरत के अनुसार अंतिम ओवर भी फेंक सकता है। गौरतब है कि आर्चर लगातार चोटों के कारण साल 2021 के बाद से ही टेस्ट क्रिकेट से बाहर हैं। उन्होंने 2023 में सफेद गेंद के महज सात मैच खेले हैं। उन्हें अगले साल जनवरी-मार्च में भारत का दौरा करने वाली टेस्ट टीम में भी जगह नहीं मिली है। टी20 विश्व कप अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में जून में खेला जायेगा।

साक्षी-विनेश के आंसुओं के बाद लामबंद हुए पहलवान

नए डब्लूएफआई अध्यक्ष और बृजभूषण के खिलाफ फिर खोला मोर्चा

नई दिल्ली।
भारतीय कुश्ती संघ और बृजभूषण शरण सिंह एक बार फिर से चर्चा में हैं। दरअसल, डब्लूएफआई के अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनावों के नतीजे आए। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण के करीबी माने जाने वाले संजय सिंह ने अनीता श्योरण को हराकर अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। इसके बाद ओलंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास लेने का एलान किया। वह इसका एलान करते हुए रो पड़ी थीं। इसके अलावा विनेश फोगाट भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने आंसुओं को नहीं छिपा सकी थीं। नए डब्लूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह और बृजभूषण के खिलाफ पहलवान एक बार फिर एकजुट होने जा रहे हैं और प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसके संकेत दिए हैं।

विनेश फोगाट ने क्या कहा

नया डब्लूएफआई अध्यक्ष बनने के बाद कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट विनेश ने कहा कि अब जब संजय भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष चुन लिए गए हैं, महिला पहलवानों पर उत्पीड़न का दौर जारी रहेगा। यह कहते ही विनेश की आंखें भर आई थीं। वह बयान देते हुए रो रही थीं। इस दिग्गज पहलवान ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि इस देश में न्याय कहां ढूंढें। विनेश ने कहा- थोड़ी उम्मीद है कि हमें न्याय मिलेगा। भारतीय कुश्ती का भविष्य अंधकार में है और यह देखना दुखद है। हम अपना दुख किसे जाकर बताएंगे। हम अब भी इन सभी मुद्दों से लड़ रहे हैं।

साक्षी मलिक ने किया था संन्यास का एलान

इससे पहले पहलवान साक्षी मलिक ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम 40 दिनों तक सड़कों पर सोए और देश के कई हिस्सों से बहुत सारे लोग हमारा समर्थन करने आए। अगर बृज भूषण शरण सिंह के बिजनेस पार्टनर और करीबी सहयोगी को कुश्ती संघ का अध्यक्ष चुना जाता है, तो मैं कुश्ती छोड़ती हूं। हमारा समर्थन करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद। लड़ाई पूरे दिल से लड़ी। अगर अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह जैसा आदमी ही रहता है तो मैं अपनी कुश्ती को त्यागती हूं।

रोते हुए हॉल से बाहर गई थीं साक्षी

इसके बाद साक्षी पति सत्यव्रत कादियान के साथ रोते हुए चली गईं। बजरंग ने इस दौरान यह भी कहा कि उन्हें अपनी जान का भी खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह लड़ाई राजनीतिक नहीं थी। वह विश्वास दिलाते हैं कि आने वाले समय में वह किसी भी राजनीतिक पार्टी के साथ खड़े नजर नहीं आएंगे। साक्षी ने कहा था कि वह एक महिला अध्यक्ष चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वहीं, चुनाव जीतने के बाद संजय ने बृजभूषण से उनके घर पर मुलाकात की थी और बड़ा भाई बताया था। संजय ने कहा था- हमारा रिश्ता और बड़े और छोटे भाई जैसा है। हम एकदूसरे को तब से जानते हैं, जब से हमारे परिवार वाले काशी और अयोध्या में कुश्ती आयोजित करवाते थे। संजय ने कहा- यह मेरी जीत नहीं है, बल्कि पूरे देश के पहलवानों की जीत है। नए संघ के बनने के बाद उन कुश्ती इवेंट्स की शुरुआत होगी, जो पिछले 11 महीने से बंद थे। संजय का चुनाव जीतना बजरंग पूनिया, विनेश और साक्षी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। यह पूरा विवाद इस साल जनवरी में शुरू हुआ था और तब साक्षी, विनेश और बजरंग पूनिया समेत कुछ बड़े पहलवान दिल्ली के जंतर मंतर पर धरने पर बैठे थे। जून में पहलवानों ने धरना समाप्त किया और सभी पहलवान अपने काम पर लौट गए। इस बीच विश्व कुश्ती संघ ने समय पर चुनाव नहीं कराने के लिए डब्लूएफआई को निलंबित कर दिया था।

स्टार्क गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे : गंभीर

घरेलू गेंदबाजों को भी सीखने का मिलेगा अवसर

नई दिल्ली ।
कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटोर गौतम गंभीर ने कहा है कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को बड़ी रकम पर लेने का फैसला एकदम सही है। गंभीर के अनुसार स्टार्क के आने से उसका गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होगा। उनके अनुसार स्टार्क टीम के गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालेंगे जिससे अंतर पैदा होगा। केकेआर ने दुबई में हुई नीलामी में स्टार्क को 24.75 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड राशि में खरीदा था। गंभीर भी इस नीलामी में मौजूद थे, उन्होंने कहा कि स्टार्क अंतर पैदा करेंगे और इसमें किसी को भी कोई संदेह नहीं है। वह नई गेंद से गेंदबाजी के साथ ही अंतिम डेथ ओवरों में भी गेंदबाजी कर सकते हैं। सबसे अहम बात है कि वह गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करेंगे। इससे हमारे 2 घरेलू गेंदबाजों को लाभ होगा क्योंकि हमारे दोनों गेंदबाज काफी प्रतिभाशाली हैं और मैदान पर उनकी सहायता के लिए स्टार्क से बेहतर और कौन हो सकता है। गंभीर ने कहा कि वह अपनी गेंदबाजी के लिए नहीं बल्कि गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई के लिए भी अहम होंगे जो अन्य सभी गेंदबाजों की मदद करेंगे। इसलिये किसी को तो इसके लिए भुगतान करना ही होगा। गंभीर ने कहा कि उनकी नजर में मजबूत बल्लेबाजी लाइन अप की जगह मजबूत गेंदबाजी लाइन अप ज्यादा अहम होती है। उन्होंने कहा कि हमारे गेंदबाजी लाइन अप में काफी गहराई है। हम हमेशा मजबूत गेंदबाजी आक्रमण चाहते थे और अब हमारे पास मुजीबुर रहमान, गुस एटकिन्सन, सुनील नारायण, वरूण चक्रवर्ती और मिचेल स्टार्क के होने से काफी विकल्प हैं और हमारे पास 2 भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और सुयश शर्मा के अलावा चेतन सकारिया भी हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास अब काफी विकल्प हैं जिसमें हम स्टेडियम को देखकर विभिन्न संयोजन उतार सकते हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद को है विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक भरोसा

हैदराबाद ।
सनराइजर्स हैदराबाद को लगता है विदेशी खिलाड़ियों पर ज्यादा ही भरोसा है। इसी कारण आईपीएल के 2024 सत्र के लिए उसने कई विदेशी खिलाड़ियों को खरीदा है। फ्रैंचाइजी ने नीलामी में कुछ बड़े नमों पर दाव लगाया और पैट कमिंट, ट्रैविस हेड, एडेन मार्कराम और वानिंदु हसरंगा जैसे मैच विजेता खिलाड़ियों को खरीदकर संकेत दिया है कि वह खिताब जीतने के लिए पूरी ताकत लगाना चाहती है। हैदराबाद को एक बार खिताब ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर ने दिलाया था पर अब वह टीम के साथ नहीं हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड के केन विलियमसन की कप्तानी में भी हैदराबाद का प्रदर्शन आईपीएल में अच्छा रहा है। माना जा रहा है कि इसी कारण टीम को विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक भरोसा है। कमिंस के चयन से स्पष्ट है कि टीम उन्हें कप्तान की जिम्मेदारी देगी। कमिंस अपने कप्तानी कौशल के कारण जाने जाते हैं। इसी कारण उनके लिए आरसीबी ने भी बड़ी बोली लगाती नजर आई थी। कमिंस के आने से हैदराबाद की गेंदबाजी भी बेहतर होगी। इस काम में उन्हें मार्को जानसन से भी सहायता मिलेगी। वहीं हेड को सलामी बल्लेबाज की जिम्मेदारी मिलना तय है।

हमारा उद्देश्य फुटबॉल दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव बनाना : सोनी पिक्चर्स

नई दिल्ली ।
भारत में लगातार बढ़ती फुटबॉल दर्शकों की संख्या के साथ, सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के डिस्ट्रीब्यूशन और इंटरनेशनल बिजनेस के मुख्य राजस्व अधिकारी और हेड-स्पोर्ट्स बिजनेस, राजेश कौल ने कहा कि वे प्रशंसकों के साथ गहरा जुड़ाव बनाना चाहते हैं, जिससे वो भारतीय दर्शकों के व्यापक स्पेक्ट्रम तक पहुंचें।

फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक कदम में सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ सहयोग किया है और उन्हें फुटबॉल के लिए ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। साझेदारी में यूईएफए यूरो 2024, यूईएफए चैंपियंस लीग, यूईएफए यूरोपा लीग, यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग, यूईएफए नेशंस लीग, बुंडेसलीगा, एमिरेट्स एफए कप, डूरंड कप और रोशन सऊदी लीग सहित मार्की फुटबॉल टूर्नामेंट और लीग का कवरेज शामिल है। राजेश कौल ने एक बयान में कहा, हमें सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर फुटबॉल के ब्रांड एंबेसडर के रूप में

कार्तिक आर्यन की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। कार्तिक सिल्वर स्क्रीन पर एक सच्चे स्टार हैं और फुटबॉल के लिए एक भावुक आवाज हैं जो दर्शकों के साथ अच्छी तरह से कनेक्ट होगी। हमारा लक्ष्य भारतीय युवाओं के साथ जुड़ना है। साथ ही फुटबॉल पेशकशों के हमारे विविध पोर्टफोलियो के लिए कार्तिक आर्यन के माध्यम से हमारे लगातार बढ़ते फुटबॉल दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव बनाना है, जिसमें 900 से अधिक फुटबॉल मैचों का सीधा प्रसारण शामिल है और सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क को प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थान दिया गया है। कार्तिक आर्यन, जो यूईएफए चैंपियंस लीग के इतिहास के सबसे सफल क्लब रियल मैड्रिड के प्रशंसक हैं। उन्होंने कहा कि वह वास्तव में अपने पसंदीदा फुटबॉलरों को मैदान पर खेलते हुए देखने और उनसे मिलने के लिए उत्सुक हैं। कार्तिक आर्यन ने कहा, मैं बचपन से ही एक फुटबॉल प्रशंसक रहा हूं और एक ऐसे खेल को बढ़ावा देने के लिए सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ साझेदारी करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है जो मेरे दिल के बहुत करीब है। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क कुछ बेहतरीन फुटबॉल गतिविधियों का घर होगा। यूईएफए यूरो 2024 से यूईएफए चैंपियंस लीग, बुंडेसलीगा जैसे कई रोमांचक मुकाबले इस लिस्ट में शामिल हैं। मैं फुटबॉल प्रसारण कैलेंडर को लेकर उत्साहित हूं जिसमें दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों और टीमों को दिखाया जाएगा। मैं वास्तव में अपने पसंदीदा फुटबॉलरों को मैदान पर खेलते हुए देखने और उनसे मिलने के लिए उत्सुक हूं। अधिकारियों के अनुसार, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने %योर होम ऑफ फुटबॉल अभियान की पहली फिल्म लॉन्च की है, जिसके बाद आने वाले हफ्तों में चार अतिरिक्त फिल्में लॉन्च की जाएंगी।

पारिवारिक आपात स्थिति के कारण कोहली स्वदेश लौट आए; गायकवाड़ दक्षिण अफ्रीका दौरे से बाहर

नई दिल्ली।
भारत के करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली पारिवारिक आपात स्थिति के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी के बीच में ही स्वदेश वापस आ गए हैं। दूसरी ओर, सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड का हाल ही में समाप्त हुई एकदिवसीय श्रृंखला में उंगली में चोट लगने के बाद टेस्ट श्रृंखला से बाहर होना तय है। रिपोर्ट के अनुसार, कोहली टीम प्रबंधन और बीसीसीआई से तीन दिवसीय अभ्यास मैच को छोड़ने की अनुमति लेने के बाद लगभग तीन दिन पहले मुंबई के लिए रवाना हुए, जो भारतीय टेस्ट टीम वर्तमान में प्रिटोरिया में खेल रही है। भारत के पूर्व कप्तान के दक्षिण अफ्रीका वापस आने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया है, आपातकाल का सटीक विवरण स्पष्ट नहीं है, लेकिन बीसीसीआई सूत्रों का कहना है कि वह 26 दिसंबर को सेंचुरियन में शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए समय पर जोहान्सबर्ग वापस आ जाएंगे। इस बीच, गायकवाड को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गकेबरहा में भारत के दूसरे एकदिवसीय मैच में

उंगली में चोट लग गई और वह पार्ल में श्रृंखला के निर्णायक मैच में नहीं खेल पाए। बीसीसीआई ने उस समय कहा था, रुतुराज गायकवाड दूसरे वनडे में क्षेत्ररक्षण के दौरान अपनी अनामिका में लगी चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। वह बीसीसीआई मेडिकल टीम की निगरानी में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि गायकवाड टेस्ट सीरीज के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाएंगे और उनके भारत पहुंचने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है, अब यह सामने आया है कि दोनों टेस्ट मैचों में से किसी एक से पहले उनके ठीक होने की कोई संभावना नहीं है और टीम प्रबंधन ने बीसीसीआई से सलाह लेने के बाद उन्हें तुरंत रिलीज करने का फैसला किया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वनडे सीरीज और तीन दिवसीय अभ्यास मैच की समाप्ति के बाद तीनों प्रारूपों की भारतीय टीमें अब जोहान्सबर्ग में इकट्ठा होंगी और वहां से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए सेंचुरियन जाएंगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के दो टेस्ट 26-30 दिसंबर तक सेंचुरियन में और 3-7 जनवरी, 2024 तक केप टाउन में खेले जाएंगे। जुलाई में वेस्ट इंडीज़ में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला 1-0 से जीतने के बाद, यह 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की भारत की दूसरी श्रृंखला है। आखिरी बार भारत ने दक्षिण अफ्रीका में दिसंबर 2021-जनवरी 2022 में टेस्ट श्रृंखला खेली थी। उस समय, भारत ने सेंचुरियन में पहला टेस्ट जीता था, इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने जोहान्सबर्ग और केप टाउन में मैच जीतकर वापसी की और अंततः श्रृंखला पर 2-1 से कब्जा कर लिया। इस प्रकार देश में पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीतने के लिए भारत की खोज बढ़ गई है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में शुभमन ने लगाया शतक

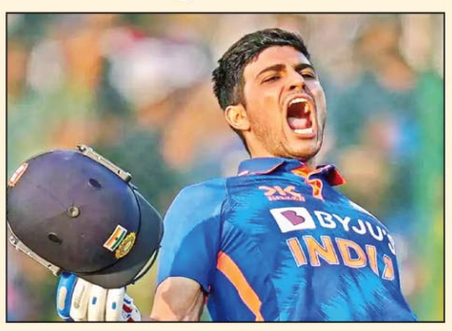

प्रिटोरिया । भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां जारी एक अभ्यास मैच में शानदार शतक लगाया। वहीं युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भी अर्धशतक लगाया। दोनो की इस पारी से मेजबान टीम के गेंदबाजों पर जरुर दबाव पड़ेगा क्योंकि भारतीय टीम के साथ उसे पहला टेस्ट मैच 26 दिसंबर (बॉक्सिंग डे) से खेलना है। इस मैच में बल्लेबाजी के दौरान ये दोनो ही बल्लेबाज शानदार लय में नजर आये। टेस्ट सीरीज से पहले हो रहे तीन दिवसीय इस मैच में किसी को आने की अनुमति नहीं है। यहां तक कि मीडिया को भी इस मैच को कवर करने की अनुमति नहीं है। अपनी रणनीति को गोपनीय रखने के लिए ही मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और टीम प्रबंधन ने इस मैच को बंद दरवाजों के बीच खेलने का फैसला किया था। अभी तक फुटबॉल टीमें बंद दरवाजे के भीतर अभ्यास करती रही हैं। इस मैच में मीडिया को केवल वार्म अप देखने की अनुमति होती है पर कोच के आने के बाद असली अभ्यास शुरू होते ही उन्हें बाहर जाना पड़ता है। भारतीय टीम पहले भी 'बंद दरवाजे के भीतर अभ्यास' की रणनीति अपनाती आई है। इस मैच में यशस्वी जायसवाल रिटायर्ड आउट हो गए।

एल्यूमीनियम फॉयल से दूर करें सभी दर्द

एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल अक्सर खाने को पैक करने के लिए करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नियमित रूप से एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल खाने को रैप करने के अलावा कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के लिए किया जा सकता है। जी हां यह बात एक नए शोध से सामने आई है कि एल्यूमीनियम फॉयल के इस्तेमाल से शरीर के किसी भी अंग में होने वाले दर्द को दूर किया जा सकता है। आइए इसके बारे में हम विस्तार से बताते हैं।

गायब हो जाएगा दर्द

अगर आपके गर्दन, पीठ, कंधे, घुटने या पैरों में दर्द है, तो दर्द वाले हिस्से में एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल करें। आप देखेंगे कि समय की एक निश्चित अवधि के बाद आपका दर्द गायब हो जाएगा। एल्यूमीनियम फॉयल में चिकित्सीय गुण होते हैं और अक्सर चीनी और रूसी चिकित्सकों द्वारा इसका इस्तेमाल किया जाता है।

कैसे करें उपचार?

एल्यूमीनियम फॉयल का एक टुकड़ा लेकर, दर्द वाले जगह लगाकर उसपर बैंडेज बांध दें। एल्यूमीनियम फॉयल गर्दन, पीठ, हाथ, पैर, जोड़ों और इसी तरह के दर्द के इलाज के लिए उत्कृष्ट होता है। इसके अलावा यह गठिया और निशान के इलाज के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण से भरपूर

एल्यूमीनियम फॉयल में बहुत अधिक मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण होते हैं। गाउट का इलाज करते समय फॉयल के टुकड़े को निशान पर लगाना या अंगूठे पर लपेटकर बैंडेज बांधना जरूरी होता है। चीनी चिकित्सकों का विश्वास है कि यह इलाज कम से कम 10 से 12 घंटे के लिए किया जाना चाहिए। शरीर के दर्दनाक हिस्से पर एल्यूमीनियम फॉयल लगाकर रात भर के लिए छोड़ देना चाहिए। फिर 1 से 2 सप्ताह का ब्रेक लेने के बाद यदि आवश्यक हो तो इलाज को दोहराना चाहिए।

जुकाम दूर करने में सहायक

जुकाम होने पर भी आप एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए 5-7 परतों में फॉयल को अपने पैर पर लपेटें और प्रत्येक परत के बीच कागज और पतला सा कपड़ा लगाए। इसे कुछ घंटों के लिए ऐसे ही रहने दें। दो घंटे के बाद इसे निकाल कर रीसेट करें। फिर से कुछ देर के लिए इसे ऐसे ही रहने दें। उपचार को तीन बार दोहराया जाना चाहिए।

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है चना

चने अपने पोषक तत्वों की वजह से सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में आयरन, सोडियम और सेलेनियम होता है। आप इसे भिगोकर और सब्जी बनाकर भी खा सकते हैं। अंकुरित चने विटामिन और बी कॉम्प्लेक्स का अच्छा स्रोत हैं। चने से आपको भरपूर ऊर्जा मिलती है और आपका पाचन तंत्र भी सही बना रहता है।

सर्दी भगाने वाली दवा से रक्तचाप का खतरा

सर्दी भगाने के लिए दी जाने वाली दवाओं से हृदय गति व रक्तचाप बढ़ने की आशंका बढ़ जाती है। खास कर, बच्चों के मामले में , क्योंकि ऐसी दवाएं बच्चों के लिए घातक भी हो सकती है। एक अध्ययन से पता चला है कि दो वर्ष से कम उम्र वाले बच्चों के मामले में सर्दी की दवा घातक साबित हो सकती है। यह भी कहा गया है कि माता-पिता को बच्चों के चिकित्सकीय सलाह पर पूरी तरह अमल करना चाहिए।

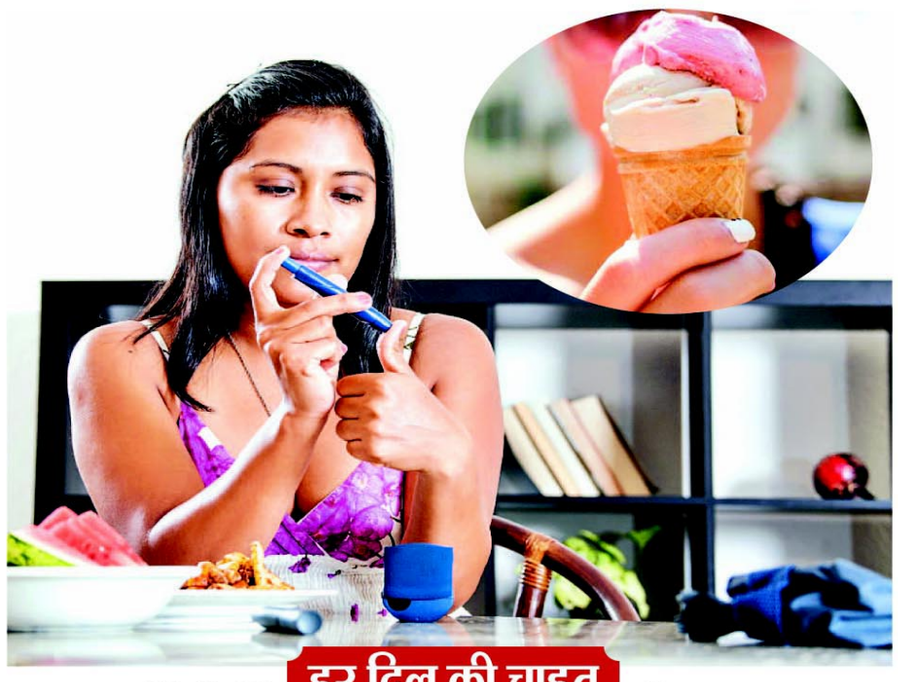

हर दिल की चाहत

आर्टिफिशल स्वीट्नर

जो लोग कृत्रिम मीठा खाते हैं, उनका दिल हमेशा मोर मांगता है। सवाल ऐसा क्यों है? कुछ लोग अपने लंच बाक्स के साथ एक डिब्बा मीठा भी ले जाते हैं। यह उनकी दिनचर्या है। वह तमाम कोशिशों के बावजूद इससे खुद को रोक नहीं पाते। यही कारण है कि जिस दिन वह मिठाई जो कि कृत्रिम मीठे से बनी होती है, नहीं ले जा पाते,तो वह दुकान कुछ न कुछ खरीदकर खा लेते हैं। इसके कारण उन्हें मोटापा आदि समस्याओं का भी समाना करना पड़ता है। बावजूद इसके जो लोग कृत्रिम मीठा खाते हैं, उनका दिल हमेशा मोर मांगता है। सवाल ऐसा क्यों है? आइए जानने के लिए आगे पड़ते हैं।

आर्टिफिशल स्वीटनर की लालसा

कृत्रिम मीठा खाने से यह सीधे हमारे मस्तिष्क को प्रभावित करता है। नतीजतन न चाहते हुए भी हम मीठे की ओर लालायित हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी यह हो जाता है कि कृत्रिम मिठाई को अपनी जीवनशैली का हिस्सा न बनाए। असल में कृत्रिम मिठाई में यूं तो कहा जाता है कि इसमें शुगर का स्तर बेहद कम होता है। यह डायबिटीज के मरीजों के बेहतर होता है। लेकिन सच्चाई इससे इतर है। चूंकि यह कृत्रिम मीठा है तो आपको बताते चलें कि इसके अपने नुकसान हैं। खासकर यदि मोटे लोग इसका सेवन करते हैं तो वे इससे दूर नहीं रह सकते। बहरहाल कृत्रिम मीठे का सबसे गहरा असर हमारे मस्तिष्क पर पड़ता है जिससे हम मीठे से भाग नहीं पाते।

मस्तिष्क पर प्रभाव

मीठा एक ऐसी चीज है जिसे एक बार खाओ तो दूसरी बार बिन खाए नहीं रह सकते। कृत्रिम मिठाई भी अपने अंदर इस गुण को समेटे हुए हैं। असल में जब हम कोई कृत्रिम मिठाई खाते हैं तो वह हमारे जीभ को बहुत पसंद आता है। जीभ को पसंद आने का मतलब है कि उसे दोबारा खाने का लालच पैदा हो रहा है। जब कोई चीज दोबारा खाने का लालच बने तो ऐसे में जरूरी यह होता है कि उससे दूरी बनाए रखें। असल में जैसे कि हर चीज की अति बुरी होती है, ठीक इसी तरह कृत्रिम मीठा भी हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

मस्तिष्क में घोटाला

असल में जब हम कृत्रिम मीठा खा लेते हैं तो मस्तिष्क में घोटाला होने लगता है। ऊर्जा और चाह में कंफ्यूशन बढ़ जाती है। यह नहीं समझ आता कि अपनी ऊर्जा किस चीज में खर्च की जाए। होता ये है कि हम खाने पीने की चीजें ढूंढने में अपनी ऊर्जा नष्ट करने लगते हैं। असल में मस्ष्कि ज्यादा कैलोरी की डिमांग करने लगता है जिससे कि यदि कोई खाद्य पदार्थ न मिले तो मस्तिष्क को आराम नहीं मिलता।

नींद में खलल

कृत्रिम मीठा सिर्फ हमारे मोटापे को ही प्रभावित नहीं करती। इसके अलावा जो लोग कृत्रिम मीठे के शौकीन हैं, उन्हें नींद भी कम आती है। दरअसल कृत्रिम मीठा हमारी नींद को प्रभावित करता है। नींद न सिर्फ कम आती है बल्कि उसकी गुणवत्ता में भी कमी आ जाती है। कहने का मतलब यह है कि एक व्यक्ति को प्रत्येक दिन 8 घंटे की सामान्य और 4 घंटे की गहरी नींद की आवश्यकता होती है। यदि हम 4 घंटे की गहरी नींद ले लें तो इसके बाद हमें और सोने की जरूरत नहीं रह जाती। लेकिन जो लोग कृत्रिम मीठे के शौकीन हैं उन्हें गहरी नींद नहीं आ पाती। वे अकसर रात भर जगे रहते हैं। इससे उनकी जीवनशैली भी प्रभावित होती है।

मोटापा बढ़ना

पहले ही इस बात का जिक्र किया गया है कि कृत्रिम मीठा खाने से मोटापा बढ़ता है। खासकर उन लोगों में मोटापा ज्यादा बढ़ता है जो लोग खाद्य पदार्थ के साथ साथ ड्रिंक लिक्विड कृत्रिम मीठे सहित लेते हैं। इनमें कैलोरी बढ़ती है, किसी भी समय कुछ भी खाने के आदी होते हैं। यही नहीं आपको जानकर हैरानी होगी कि जो लोग कृत्रिम मीठा खाने के शौकीन होते हैं, वे मीठा देखकर सामान्य लोगों से भिन्न प्रतिक्रिया करते हैं। उन्हें देख ऐसा लगता है कि वे सिर्फ मीठे के लिए ही जीवित हैं।

पानी पीना

यदि आप कृत्रिम मीठा खाने के कारण काफी ज्यादा मोटे हो चुके हैं और इस समस्या का निदान नहीं मिल रहा। ऐसे में बेहतर है कि जितना हो सके पानी पीयें। इतना ही नहीं जब भी मीठा खाने का मन हो, उसके बजाय पानी को तरजीह दें।

पॉलिथिन में पैक सैंडविच को कहें NO....

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में किसी के पास किसी चीज की कमी है तो वह है वक्त। लोग आजकल इतने व्यस्त हो गए हैं कि वे अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। आजकल लोग सबसे अधिक स्नैक्स और फास्टफूड का सेवन कर रहे हैं। जिससे कई बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है। फास्ट फूड में एक है सैंडविच जो लोगों की पंसदीदा आहार में से एक है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जब भी आप सैंडविच लेते हैं तो यह एक पतली पन्नी में लिपटी मिलती है। पन्नी के साथ लिपटी सैंडविच सेहत के लिए कितनी नुकसानदेह है इसके बारे में इस लेख के माध्यम से जानते हैं।

पुराना स्टोर किया हुआ

अधिकतर दुकानों पर जो सैंडविच मिलती है उसमें इस्तेमाल किए जाने वाले अंडे, मीट, चिकन, पनीर या मछली को दुकानदार फ्रिज में स्टोर रखते हैं। वैसे सामान्य तौर पर इन चीजों को दो दिन से ज्यादा स्टोर नहीं करना चाहिए लेकिन ये लोग कई दिनों तक इसे फ्रिज में रखते हैं और ग्राहकों को दे देते हैं। इसके सेवन से संक्रमण का खतरा अधिक रहता है।

तापमान का ध्यान न रखना

जरूरी नहीं कि आप जो सैंडविच ले रहे हैं वो सही टेंपरेचर पर स्टोर की गई है। चूंकि सैंडविच में इस्तेमाल की जाने वाली सब्जियों को अगर सही तापमान पर नहीं स्टोर किया गया तो वे एक दिन में ही खराब हो जाती हैं। खासतौर पर पकी हुई सब्जियां और जल्दी खराब हो जाती हैं। इसलिए इनके सेवन से फूड पॉइजनिंग भी हो सकती है।

कैलोरी काउंट का ध्यान न रखना

सैंडविच को और मुलायम बनाने के लिए कई बार दुकानदार उसमें बहुत अधिक बटर मिलाते हैं। जिस कारण इसमें कैलोरी की मात्रा काफी बढ़ जाती है जो आपकी सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक है। खासतौर पर अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो इसे बिल्कुल न खाएं।

गलत तरीके से पैकेजिंग

सैंडविच की पैकेजिंग के लिए जिस पतली सी फिल्म का इस्तेमाल किया जाता है वो भी संक्रमित हो सकती है। सैंडविच में मौजूद एसिडिक चीजों जैसे कि टमाटर और सिरका के कारण इस पतली फिल्म में छेद भी हो सकता है जिससे इसके अन्दर बैक्टीरिया भी घुस सकते हैं। जिसके कारण संक्रमण हो सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आपको अपने आसपास कोई ऐसी शॉप नहीं मिल रही है जहां पर फ्रेश सैंडविच मिलता हो, तो इसकी बजाय आप पास के किसी रेस्टोरेंट में जाकर इडली और डोसा खा लें। अगर आप मूवी देखने गए हैं और आपको जोरों की भूख लगी है तो सैंडविच के बजाय एक मध्यम आकार का पॉपकॉर्न लें। इससे आपकी भूख भी मिट जाएगी और इससे कोई नुकसान भी नहीं होगा। हो सके तो हेल्दी फूड ही खाएं।

ऑयली स्किन के लिए घरेलू उपाय

ऑयली स्किन महिलाओं की बड़ी समस्या है। कई महिलाओं को अपने चेहरे पर चमक दिखाई देती है, जो उनके मेकअप और मॉश्चराइजर को नुकसान पहुंचाती है। वक्त की कमी के चलते यह समस्या और ज्यादा बढ़ गई है। हमारे आहार में पोषण की कमी ने इस समस्या में इजाफा ही किया है। खुद को बचाने के लिए त्वचा अधिक मेहनत करती है और परिणामस्वरूप वह तेल का निर्माण करने लगती है।

ऑयली स्किन के नुकसान

ऑयली स्किन वाले लोगों को चेहरे पर चिपचिपाहट महसूस होती रहती है। शॉवर के फौरन बाद उनका चेहरा ऑयली और मैला लगने लगता है। ऑयली त्वचा मिट्टी और मैल को जल्दी पकड़ लेती है और साथ ही इससे आपका मेकअप भी बहुत जल्दी पिघल जाता है। ऑयली स्किन वाली महिलाओं को दिन में कई बार मेकअप लगाना पड़ता है। मैल और मिट्टी के जो कण त्वचा के साथ चिपक जाते हैं, वे आगे चलकर एक्ने और त्वचा संबंधी अन्य परेशानियों का कारण बनते हैं।

क्यों होती है ऑयली स्किन?

अनुवांशिक: अगर आप कायदे से हर ब्यूटी टिप्स का पालन कर रहे हैं। और इसके साथ ही आप स्किन के ऑयल प्रोडक्शन की संभावनाओं से बचने के सभी जरूरी प्रयास भी कर रहे हैं और इसके बाद भी अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो इसके लिए आप अनुवांशिकता को उत्तरदायी ठहरा सकते हैं। जब ऑयली स्किन अनुवांशिकता के कारण हो, तो इस बात की पूरी संभावना है कि परिवार के हर सदस्य को ऑयली स्किन की परेशानी होगी। परिवार के हर सदस्य में ऑयल निर्माण करने वाली ग्रंथियां ज्यादा होंगी।

स्किन केयर उत्पादों का अधिक इस्तेमाल: शानदार चमकदार त्वचा पाने की चाह में कई लोग क्लींजर, एक्फोलिएट और स्क्रब का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। इससे रोम छिद्रों पर बेकार का दबाव पड़ता है, जो आगे चलकर ऑयली स्किन का कारण बनता है।

मौसम में बदलाव: गर्मियों और बरसातों में वातावरण में उमस और नमी काफी बढ़ जाती है। इससे त्वचा में ऑयल का अधिक निर्माण होता है। सर्दियों के दौरान, त्वचा रूखी हो जाती है। उसमें नमी और पोषण की कमी हो जाती है। इसे पूरा करने के लिए त्वचा अधिक मात्रा में ऑयल का निर्माण करती है।

दवायें: हॉर्मोन बैलेंस के लिए दी जाने वाली दवाओं के कारण भी त्वचा में अधिक ऑयल का निर्माण होने लगता है। इसके साथ ही कुछ दवायें त्वचा में नमी की कमी का भी कारण बनती हैं। पोषण के इस असंतुलन से लड़ने के लिए त्वचा अधिक मात्रा मे ऑयल का निर्माण करती है।

गलत उत्पादों का इस्तेमाल: जब महिलायें ऐसे उत्पादों का इस्तेमाल करती हैं, जो उन्हें सूट नहीं करता, तो त्वचा अधिक मात्रा में ऑयल का निर्माण करने लगती है। यदि किसी की मिश्रित त्वचा है और वह ऑयली स्किन वाला माश्चराइजर या क्लींजर इस्तेमाल करना शुरू कर दे, तो उसकी त्वचा अधिक ऑयली होनी शुरू हो जाएगी।

तनाव: तनाव भी ऑयली स्किन की बड़ी वजह होता है। जब व्यक्ति तनाव में होता है तो शरीर एंड्रोगन्स हॉर्मोन का निर्माण शुरू कर देता है। जिससे ऑयली स्किन होती है।

क्लीजिंग: अपनी त्वचा को क्लीन करने का सबसे पहला नियम है कि आप उस पर जमा अतिरिक्त ऑयल निकालें। दिन में दो बार चेहरा जरूर धोयें। और ऑयली स्किन वालों के लिए यह जरूरी है। सुबह और शाम चेहरा धोने की आदत बनाएं। अधिक ऑयल से आपके चेहरे पर गंदगी चिपकी रहती है। लेकिन, अपने चेहरे को बार-बार धोने से बचें। ज्यादा बार धोन से त्वचा का कुदरती पोषण कम हो सकता है।

शहद और सेब

सेब को काटकर उसे ब्लैंड कर लीजिए। इसमें थोड़ा शहद मिला लीजिए। इस मिश्रण को चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दीजिए। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लीजिए।

बादाम का तेल

बादाम के तेल में कुछ बूंदें नींबू के रस की मिला लीजिए। इस मिश्रण को चेहरे पर लगा लीजिए। इस प्रयोग को एक महीने तक कीजिए। और इसके बाद आपको बहुत अच्छे नतीजे मिलेंगे।

पपीता

पपीते को मैश कर लीजिए और इसे अच्छे से मिला लीजिए। इस मिश्रण से अपने चेहरे पर मसाज कीजिए और इसे 15-20 मिनट के लिए छोड़ दीजिए। इसके बाद इसे ठंडे पानी से धो लीजिए।

आसान नुस्खे

अपनी त्वचा की देखभाल करने के लिए आपको कुछ घरेलू उपाय आजमाने चाहिए। ये उपाय कारगर तथा किफायती होते हैं। घरेलू उपाय न केवल आपकी त्वचा को ऑयल फ्री बनाते हैं बल्कि दाग-धब्बे हटाने का भी काम करते हैं। ऑयली स्किन की देखभाल के लिए काफी समय और संयम की जरूरत होती है। बड़े रोम छिद्रों को बंद करना और चिपचपेपन को हटाने के लिए आपको अतिरिक्त मेहनत करने की जरूरत होती है। यहां हम आपको कुछ ब्यूटी टिप्स की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप ऑयली स्किन की समस्या से बच सकते हैं। इन उपायों को आसानी से घर पर रहकर ही आजमाया जा सकता है।

मेकअप हटाए

भले ही आप मेकअप लगाने की आदी न हों, लेकिन इसे हटाना कभी न भूलें। सोने से पहले अच्छे से क्लींजर से मेकअप हटाए और चेहरा धोकर सोने जाएं। मेकअप रिमूविंग क्रीम और ऑयली फेस के लिए फेसवॉश इस्तेमाल करें। आपको ऐसा फेसवॉश इस्तेमाल करना चाहिए जिसमें सेजलिसिलिक एसिड हो।

एक्ने के लिए क्रीम

चेहरा साफ करने के बाद उस पर एस्ट्रिंगजेंट लगाएं। अगर आप एस्ट्रिंगजेंट लगाते हैं, तो याद रखें वह अल्कोहोलिक न हो। साथ ही दिन में एक बार से ज्यादा इसका इस्तेमाल न करें। ये उत्पाद त्वचा को रूखा कर सकते हैं। त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेकर दिन में दो बार एक्ने से लड़ने वाली क्रीम लगाइए।

माश्चराइजर

आपकी त्वचा के लिए माश्चराइजर बहुत जरूरी है। लेकिन, मॉश्चराइजर चुनते समय इस बात का ध्यान रखें कि आप गलती न करें। ऐसा मॉश्चराइजर चुनें जो आपकी त्वचा के लिए सही हो। आप कितना माश्चराइजर लगाते हैं यह पूरी तरह आपकी त्वचा के रूखेपन पर निर्भर करता है। आपको ऐसा माश्चराइजर नहीं लगाना चाहिए जिसमें कोका बटर और मिनरल ऑयल हों। नॉन-कॉमेडोजेनिक मॉश्चराइजर आपके लिए सही रहेगा।

सनस्क्रीन

भले ही आसमान में बादल छा रहे हों, लेकिन आपको सनस्क्रीन लगाए बिना घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। आपका सनस्क्रीन कम से कम 15 एसपीएफ होना चाहिए। लेकिन, जरूरत है कि आप ऑयली स्किन के लिए बने सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें।

रेसिपी

सेव टमेटा

सामग्री

1 1/2 कप सेव , बाजार में आसानी से उपलब्ध, 2 1/4 कप टमाटर के टुकड़े, 2 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/2 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून कटा हुआ अदरक, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 टी-स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून शक्कर, नमक स्वादअनुसार, **परोसने के लिए:** रोटली

विधि

एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें और ज़ीरा, हींग और अदरक डालें। जब बीज चटकने लगे, टमाटर, हल्दी पाउडर, धनिया-जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, धीमी आंच पर 8-10 मिनट या टमाटर के नरम होने तक पका लें। आंच से हटाकर, सेव डालकर अच्छी तरह मिला लें। रोटली के साथ तुरंत परोसें। सुलभ सुझाव : जितना हो सके, इस व्यंजन को परोसने से पहले बनाऐं वरना सेव नरम हो जाती है।

चटपटी मटर चाट

सामग्री

2 कप सूखे मटर, 3 आलू, 1 प्याज, बारीक कटी हुई, 1 टमाटर, बारीक कटा हुआ, 2 नींबू , आधा छोटा चम्मच बेकिंग सोडा, 1 चुटकी हींग, 1 कप इमली की चटनी, 1 कप हरी चटनी, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच काला नमक, 1 चम्मच जीरा, स्वादानुसार नमक, 2 चम्मच हरा धनिया, बारीक कटी हुई। **सेंव गार्निशिंग के लिए:** 2 चम्मच तेल, 1 चम्मच चाट मसाला, आधा चम्मच धनिया पाउडर, 1 चौथाई चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चौथाई चम्मच अमचूर, 2-3 पापड़ी

विधि

सबसे पहले मटर को धोकर 5-6 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। जब मटर अच्छी तरह भीग जाए तो पानी निकाल लें। अब भीगी हुई मटर को एक बार और धो लें फिर प्रेशर कूकर में मटर, आलू , थोड़ा-सा पानी, बेकिंग सोडा और हींग डालकर 4 सीटी लगा लें। अब एक फ्राई पैन में तेल डाल कर गरम करें व इसमें जीरा व टमाटर डालकर 2 मिनट तक मैश करते हुए पकाएं। फिर इसमें उबले मटर और आलू डालें। इसके ऊपर धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर डालें और अच्छी तरह मैश कर पकाएं। अब इसमें आधा कप पानी और नमक डालकर पकाएं। जब पानी लगभग सूख जाए तो आंच बंद कर दें। अब एक छोटे बाउल में मटर चाट निकालें। इसके ऊपर प्याज डाल दें साथ ही सभी मसाले और नींबू का रस मिलाकर आवश्यकतानुसार इमली व हरी चटनी भी डालें। इस पर सेंव, पापड़ी और हरी धनिया पत्ती डालें और सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**